दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-141 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) रविवार 12 जुलाई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

वियतनाम में 24 भारतीयों से भरी नाव समुद्र में पलटी, 15 की मौत

हनोई (ए.)। छुट्टियां मनाने वियतनाम गए भारतीय पर्यटकों के लिए उनका यह सफर एक बड़े और खौफनाक हादसे में तब्दील हो गया है। वियतनाम के मशहूर फु क्वोक द्वीप के पास दर्जनों पर्यटकों को ले जा रही एक नाव अचानक समुद्र में पलट गई। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस भयानक हादसे में अब तक 15 लोगों की दर्दनाक मौत हो चुकी है, हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि जान गंवाने वालों में कितने भारतीय नागरिक शामिल हैं। घटना के तुरंत बाद स्थानीय अधिकारियों और आसपास के लोगों द्वारा बड़े पैमाने पर खोज और बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

बोट के अंदर फंसे यात्री, मची चीख-पुकार

जानकारी के मुताबिक, इस दुर्भाग्यपूर्ण नाव में कुल 24 भारतीय नागरिक सवार थे। एक पर्यटक श्रीनिवास ने बताया कि भारत के आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और तमिलनाडु से कुल 105 पर्यटकों का एक बड़ा ग्रुप वियतनाम घूमने गया था। हादसे का शिकार हुई नाव में आंध्र प्रदेश के 5 और तमिलनाडु के 17 लोग मौजूद थे। फिलहाल आंध्र प्रदेश के 2 लोग सुरक्षित बताए जा रहे हैं, जबकि 3 को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा तमिलनाडु के भी कई पर्यटकों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटनास्थल पर मौजूद चश्मदीद बोट वालों ने बताया कि हादसे के महज पांच मिनट के भीतर ही कई दूसरी नावें बचाव के लिए पहुंच गई थीं। लेकिन नाव के उल्टे होने के कारण ज्यादातर यात्री अंदर ही बुरी तरह फंस गए थे, जिससे बचाव कार्य बेहद मुश्किल हो गया और केवल कुछ ही लोगों को होश की हालत में बाहर निकाला जा सका।

दूतावास ने जारी किए हेल्पलाइन नंबर, अपनों की ऐसे लें जानकारी

इस बड़े हादसे के बाद वियतनाम में स्थित भारतीय दूतावास पूरी तरह से अलर्ट हो गया है। दूतावास ने एक आधिकारिक बयान जारी कर बताया है कि स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है और घटना की सटीक जानकारी जुटाई जा रही है। अपनों की जानकारी और मदद के लिए भारतीय दूतावास ने हो ची मिन्ह सिटी और हनोई में विशेष कंट्रोल रूम स्थापित किए हैं। प्रभावित परिवार जानकारी प्राप्त करने के लिए हो ची मिन्ह सिटी के हेल्पलाइन नंबरों +84-362817930, +84-915523714 और +84-334520414 पर सीधे संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा, हनोई में बनाए गए कंट्रोल रूम के नंबर +84-913089165 पर भी कॉल करके पूरी मदद ली जा सकती है।

मुंबई पुलिस को मिली दिल्ली के लाल किले को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई,(आरएनएस)। मुंबई पुलिस को शनिवार को एक धमकी भरा फोन आया जिसमें दिल्ली के लाल किले को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। यह जानकारी दिल्ली पुलिस के नियंत्रण कक्ष के साथ साझा कर दी गई है। जांच करने पर पुलिस को पता चला कि धमकी भरा फोन फर्जी था। जांच के बाद अधिकारियों ने सुरक्षा संबंधी किसी और चिंता की बात सामने न आना बताया है। हालांकि, पुलिस अब धमकी देने वाले का पता लगाने में जुटी है।अधिकारियों ने बताया कि एक महीने पहले दिल्ली नगर निगम के मेयर के आधिकारिक ईमेल पर एक धमकी भरा ईमेल भेजा गया था, जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा कार्रवाई की।

पांड्या स्टोर के अभिनेता रोहित चंदेल नाबालिग से छेड़छाड़ और मारपीट के आरोप में गिरफ्तार

मुंबई(आरएनएस)। टीवी के लोकप्रिय शो पांड्या स्टोर में अहम भूमिका निभाने वाले अभिनेता रोहित चंदेल को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अभिनेता पर एक 16 साल की नाबालिग लड़की का पीछा करने, उसके साथ बदसलूकी करने और मारपीट करने के बेहद गंभीर आरोप लगे हैं। पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए आरोपी अभिनेता के खिलाफ पोक्सो और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।मुंबई पुलिस ने पांड्या स्टोर से मशहूर हुए अभिनेता रोहित चंदेल (29) को गिरफ्तार किया है। उन पर एक 16 वर्षीय नाबालिग लड़की का पीछा करने, मानसिक रूप से प्रताड़ित करने और मारपीट करने का गंभीर आरोप है।

भारत में अब केवल E20 पेट्रोल ही मिलेगा, सरकार ने बताई इसके पीछे की वजह

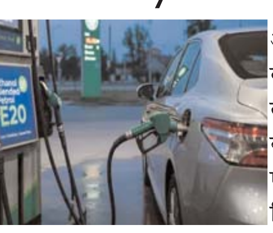

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने देशभर में प्योर पेट्रोल E10 और E20 पेट्रोल की एक साथ बिक्री की संभावना से इनकार कर दिया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि भारत में E20 पेट्रोल ही मानक (स्टैंडर्ड) ईंधन के रूप में जारी रहेगा और फिलहाल अलग-अलग ग्रेड के पेट्रोल की समानांतर आपूर्ति की कोई योजना नहीं है। 10 जुलाई को जारी एक आधिकारिक नोट में मंत्रालय ने कहा कि देश में तीन अलग-अलग प्रकार के पेट्रोल की आपूर्ति व्यवस्था लागू करना आर्थिक और तकनीकी दोनों दृष्टि से व्यावहारिक नहीं है। मंत्रालय के अनुसार, भारत का ईंधन वितरण नेटवर्क एक लाख से अधिक रिटेल आउटलेट, रिफाइनरियों, टर्मिनलों, डिपो, पाइपलाइन और भंडारण सुविधाओं से जुड़ा हुआ है। यदि प्योर पेट्रोल, E10 और E20 की अलग-अलग आपूर्ति करनी पड़े तो प्रत्येक स्तर पर अलग स्टोरेज, इन्वेंट्री प्रबंधन और वितरण व्यवस्था विकसित करनी होगी।

लाड़ली बहनों को मिलेगी 38वीं किश्त की सौगात, मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज भिंड के लहार में करेंगे राशि अन्तरण

322 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का होगा लोकार्पण और भूमिपूजन

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को जिला भिंड के लहार में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत प्रदेश की लगभग 1 करोड़ 25 लाख 15 हजार से अधिक बहनों के खातों में सिंगल क्लिक से 1835 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का सीधा अंतरण करेंगे। मध्यप्रदेश सरकार की इस अत्यंत लोकप्रिय योजना के अंतर्गत लाभार्थी महिलाओं को योजना की शुरुआत से अब तक की 38वीं नियमित मासिक किश्त का भुगतान किया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा माह नवंबर 2025 से इस मासिक आर्थिक सहायता राशि में 250 रुपये की बढ़ोतरी किए जाने के बाद से सभी पात्र हितग्राही महिलाओं को प्रति माह 1,500 रुपये की निरंतर वित्तीय सहायता मिल रही है। योजना की शुरुआत यानी जून 2023 से लेकर जून 2026 तक सरकार द्वारा कुल 37 किश्तों का नियमित अंतरण सफलता पूर्वक किया जा चुका है।

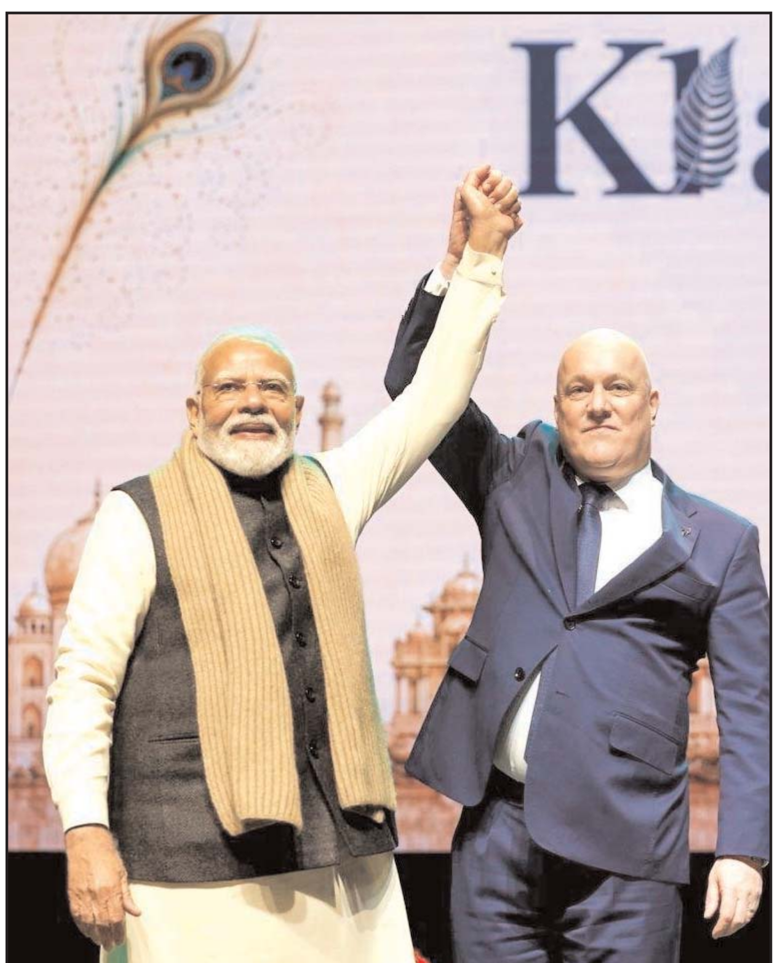

न्यूज़ीलैंड के ऑकलैंड में भारतीय समुदाय के कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, न्यूज़ीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफ़र लक्सन के साथ।

मध्य प्रदेश में तीन दिन हल्की बूंदाबांदी के आसार, अगले सप्ताह फिर तेज बारिश का अलर्ट

भोपाल(निप्र.)। मध्य प्रदेश में फिलहाल तेज बारिश से कुछ राहत मिलने वाली है। अगले तीन दिनों तक प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश का सिलसिला जारी रहेगा और कहीं भी भारी बारिश का अलर्ट नहीं है। आज शनिवार को राजधानी भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर सहित प्रदेश के सभी 55 जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश होने का अनुमान है। इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती हैं। मौसम विभाग ने बताया कि मौजूदा मौसम प्रणाली कमजोर पड़ रही है, जिसके चलते 11, 12 और 13 जुलाई को अधिकांश क्षेत्रों में रिमझिम बारिश होने की संभावना है। हालांकि, 14 जुलाई से कुछ जिलों में एक बार फिर भारी बारिश का दौर शुरू हो सकता है। विभाग का कहना है कि पाकिस्तान के ऊपर एक पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टरबेंस) सक्रिय हो रहा है। इसके प्रभाव से अगले सप्ताह प्रदेश में फिर से बारिश की गतिविधियां तेज होने की संभावना है, जिसके चलते कई इलाकों में

भारी बारिश दर्ज की जा सकती है।

खरीफ फसलों के लिए राहतभरा मौसम

फिलहाल तेज बारिश का दौर थमना खरीफ फसलों के लिए फायदेमंद रहेगा। लगातार हो रही भारी बारिश के कारण कई जिलों के खेतों में जलभराव की स्थिति बन गई थी, जिससे फसलों में गलन का खतरा बढ़ रहा था। हल्की बारिश का दौर किसानों के लिए राहत लेकर आएगा।

चने की भाजी और बल्लर के फोल का लगाया रामजी बाबा को भोग

समाधि स्थल पर बाबा की बरसी पर हुआ भंडारा भक्तों का लगा हुआ है तांता

नर्मदापुरम (निप्र)। आषाढ माह की द्वादशी के अवसर पर संत शिरोमणी रामजी बाबा समाधि स्थल पर विशाल भंडारे का आयोजन रविवार को किया गया। चने की भाजी और बल्लर के फोल का भोग लगाया गया। समाधि स्थल पर बाबा की बरसी पर भंडारा में हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। रामजी बाबा समाधि के महंत ने बताया कि रामजीबाबा के द्वारा जीवित समाधि लेने के छै माह बाद आषाढ़ माह की एकादशी के अवसर पर समाधि को खोल दिया था। तब रामजी बाबा के अनुयायियों ने उनके दर्शन किए थे। तब बाबा ने अपनी वाणी का आखरी पेज लिखा था। उसके दूसरे दिन बाबा ने उनसे तब कहा था कि अब इस समाधि को बंद कर दो इसके बाद कभी मत खोलना। करीब 400 वर्ष पूर्व समाधिस्थ हुए संत शिरोमणी रामजी बाबा की समाधि पर उसके बाद से हर वर्ष एकादशी के दूसरे दिन द्वादशी पर विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। उन्होने बताया कि बाबा के अनेक चमत्कार के कारण ही आज यहां पर प्रदेश के 25 जिलों से अधिक स्थानों से उनके भक्त आते हैं। भक्तों के द्वारा समाधि स्थल पर पूजन अर्चन किया गया। दिन भर भजन कीर्तन हो रहे हैं। आरती के बाद भंडारे का आयोजन हुआ। जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भोजन प्रसादी ग्रहण की। समाधि पर अखंड ज्योति कई वर्षों से प्रज्जवलित है। समाधि के दर्शन करने के लिए हर दिन भक्त आते हैं।

जय महाराज से गूंजा परिसर

बाबा के पीढियों के महंत परिवार उनके रिश्तेदार सहित अन्य श्रद्धालुओं के द्वारा बाबा को जय महाराज के नाम से संबोधित किया जाता है। ये लोग आपस में भी जय महाराज से ही अभिवादन करते हैं। समाधि पर पूजन अर्चन के साथ ही समाधि के गादी महंत की नियुक्ति का मामला तय हुआ।

चने की भाजी और बल्लर के फोल का लगता है भोग

बताया गया कि जब बाबा समाधि नहीं लिए थे उस समय करीब 400 वर्ष पूर्व उनको जो भोजन प्रिय लगता था उसमें चने की भाजी के साथ बल्लर के सूखे हुए फोल की सब्जी और रायता के साथ रोटी पसंद थी। इसके साथ ही सहित अन्य स्वदेशी खाद्यान्य की लेते थे। इसी बात को ध्यान में रखकर उनके भक्तों के द्वारा बाबा के पसंदीदा व्यंजनों का भोग लगाया गया। इतना ही नहीं उसी भोग वाली सामग्री को ही भंडारे में वितरित की गई। इंदौर, भोपाल, जबलपुर, खंडवा, हरदा, बैतूल, सीहोर, छिंदवाडा, खरगोन, निमाड़, रतलाम, विदिशा, सहित अन्य अनेक जिलों के तथा ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु का आगमन हुआ।

रामजी बाबा समाधि की रिक्त गादी पर महंत की नियुक्ति हुई

महंत परिवार के वरिष्ठ महंत वृंदावन दास समाधि के सर्व मान महंत बने

नर्मदापुरम (निप्र)। आषाढ़ बदी बारस गुरु महाराज संत शिरोमणि श्री राम जी बाबा की बरसी के अवसर पर बड़ी समाधी स्थल पर 10-08-2024 से रिक्त श्री राम जी बाबा की मंहत गादी रिक्त होने से सभी आध्यामिक गतिविधि अवरुद्ध हो रही थी और गुरु शिष्य परम्परा खानदानी परम्परा एवं नियम अनुसार इतने अधिक समय तक गादी का रिक्त रहना उचित नहीं माना जाता है आध्यात्मिक गतिविधियों का सुचारू संचालन हेतु 11-07-2026 दिन शनिवार को सिंगाजी महाराज के गादी पति रतन लाल जी महाराज मंहत जी के करकमलों द्वारा मंहत परिवार के सबसे बरिष्ठ योग सदस्य वृंदावन दास महंत को श्री राम जी बाबा बड़ी समाधी सभी परिवार सभी साधु संत मंहत एवं सभी भक्तों शिष्यों की मोजुदगी में तिलक लगाकर विधीविधान से बड़ी समृधी का सर्व मान मंहत नियुक्त किया गया।

इस अवसर पर मौजूद सांसद दर्शन सिंह, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, पूर्व विधायक गिरिराज शंकर शर्मा राकेश फौजदार बृजमोहन मंहत चन्द्र मोहन मंहत, राममोहन मंहत, किशोर दास महंत गणेश दास महंत विजय दास महंत माधव दादा मंहत और सभी नगर के शिष्य एवं श्रधालुओं की उप स्थितियों में सम्पूर्ण हुआं है।

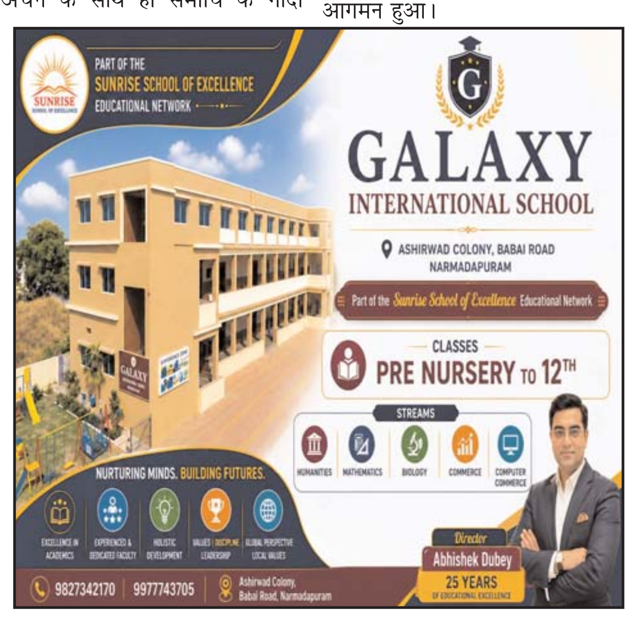

स्कूली शिक्षा में ड्रॉप-आउट दर हुई शून्य, हमारे सांदीपनि विद्यालय मॉडल की देश में हो रही है सराहना : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

-हमारे बच्चे खूब पढ़ें, लिखें, आगे बढ़े, हम संस्कारयुक्त शिक्षा दिलाने के लिए कर रहे हैं लगातार प्रयास
-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुण्योदय प्रकल्प के संस्थापक स्व. लक्ष्मण सिंह गौड़ की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

भोपाल(निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि शिक्षा ही समाज में परिवर्तन लाने का सबसे बड़ा और सशक्त माध्यम है। हमारी सरकार बच्चों को विश्व स्तरीय शिक्षा प्रदान करने के लिए संकल्पित हैं। हमारे बच्चे खूब पढ़ें, लिखें, जीवन में आगे बढ़े, इसके लिए हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप बच्चों को आधुनिक तरीके से गुणवत्तापूर्ण, रोजगारोन्मुख और संस्कारयुक्त शिक्षा दिलाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे सांदीपनी विद्यालय, पीएमश्री स्कूल और प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस के रूप में प्रदेश में शिक्षा की त्रिवेणी बन रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश ने प्राथमिक स्कूली शिक्षा स्तर पर ड्रॉप-आउट दर को शून्य करने की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली है। हमारे सांदीपनि विद्यालय मॉडल की पूरे देश में सराहना हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को इन्दौर में हिन्द रक्षक पुण्योदय प्रकल्प के कार्यक्रम में शामिल होकर स्कूली छात्राओं को राष्ट्र के महापुरुषों के जीवन चरित्र पर केन्द्रित निशुल्क पुस्तकें एवं कॉपियां वितरित की। मुख्यमंत्री ने स्कूली छात्राओं से संवाद कर से उन्हें स्नेहपूर्वक खूब तरक्की करने का शुभाशीष भी दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस वर्ष बोर्ड परीक्षाओं में हमारे सरकारी विद्यालयों ने शानदार प्रदर्शन किया है। सरकारी विद्यालयों का रिजल्ट प्राइवेट विद्यालयों से बेहतर रहा। उन्होंने कहा कि इस वर्ष बोर्ड के परीक्षा परिणामों में हमारे सांदीपनी विद्यालयों के 58 विद्यार्थियों ने राज्य स्तरीय मेरिट लिस्ट में जगह बनाई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राजनीति से ज्यादा राष्ट्रहित सर्वोपरि एवं राष्ट्र प्रथम की नीति को केंद्र में रखते हुए समाज सुधार और लोगों को प्रेरित करने वाले अनेक कार्य हो रहे हैं। हिंद रक्षक संगठन के संस्थापक और जननेता स्व. लक्ष्मण सिंह गौड़ (लखन दादा) युवा शक्ति के प्रेरणा स्त्रोत थे। उन्होंने समाज की बेहतरी के लिए तत्कालीन सरकार के कुशासन के खिलाफ आवाज उठाई, मुझे भी उनका सहयोगी बनने का सौभाग्य मिला। आज स्व. गौड़ की 68वीं जयंती पर पुण्योदय प्रकल्प के जरिए हर साल 60 हजार से अधिक विद्यार्थियों को कॉपी-किताबें और महापुरुषों के प्रेरक जीवन प्रसंगों पर केन्द्रित पुस्तकें बांटी गई हैं। हिंद रक्षक प्रकल्प का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता से आज भी समाज को प्रेरणा मिलती है। हमारे युवा इससे प्रेरणा लें और गरीब-जरूरतमंदों मित्रों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहें। राज्य सरकार ने गुरु पूर्णिमा महोत्सव को धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया है।

राम मंदिर ट्रस्ट की कार्यप्रणाली पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग

भोपाल,(ए.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में शनिवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अतुल लोंढे पाटिल ने राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की कार्यप्रणाली और कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर केंद्र सरकार एवं भारतीय जनता पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने पूरे मामले की जांच सर्वोच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश की निगरानी में कराने की मांग की। पत्रकार वार्ता में प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री मुकेश नायक, पूर्व प्रदेश प्रवक्ता स्वदेश शर्मा, कुंदन पंजाबी, अभिनव बरोलिया तथा आनंद जाट भी उपस्थित रहे। मुकेश नायक ने कहा कि भाजपा ने पिछले तीन दशकों में धर्म और आस्था का राजनीतिक उपयोग किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि धार्मिक विषयों को राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनाए जाने से समाज में विभाजन की स्थिति बनी है। इसके बाद राष्ट्रीय प्रवक्ता अतुल लोंढे पाटिल ने आरोप लगाया कि राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में वित्तीय अनियमितताओं और दान की गई सामग्री के प्रबंधन को लेकर गंभीर प्रश्न उठे हैं। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2020 में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट फर्म और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने ट्रस्ट के वित्तीय प्रबंधन और मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के पालन को लेकर आपत्तियां दर्ज कराई थीं, लेकिन उन पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई।

उन्होंने आरोप लगाया कि दान में मिली चांदी की ईंटों और नकद राशि के संबंध में पारदर्शिता नहीं बरती गई तथा पूरे मामले में ट्रस्ट के पदाधिकारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच आवश्यक है। उन्होंने यह भी दावा किया कि प्रारंभिक जांच रिपोर्ट और अंतिम रिपोर्ट में अंतर होने से जांच प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े होते हैं। पाटिल ने मंदिर प्रबंधन और जांच से जुड़े कुछ अधिकारियों की नियुक्तियों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसे व्यक्तियों से निष्पक्ष जांच की अपेक्षा करना कठिन है, जिन पर पहले से विवाद या आरोप रहे हों। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे मामले में दोषियों को संरक्षण दिया जा रहा है। कांग्रेस प्रवक्ता ने केंद्र सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के गठन और उसके संचालन को लेकर जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस विषय पर सार्वजनिक रूप से अपना पक्ष स्पष्ट करने की मांग की।पत्रकार वार्ता के दौरान पाटिल ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने राम मंदिर को राजनीतिक मुद्दा बना दिया है।

अनुसूचित जनजाति एवं दिव्यांगजनों के अधिकारों के संरक्षण एवं सशक्तिकरण हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विशेष विधिक जागरुकता एवं सेवा शिविर आयोजित

भोपाल(आरएनएस)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भोपाल मनोज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भोपाल सुनीत अग्रवाल के नेतृत्व में अनुसूचित जनजाति समुदाय एवं दिव्यांगजनों के संवैधानिक एवं विधिक अधिकारों के संरक्षण,उनके सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के उद्देश्य से विशेष विधिक जागरूकता एवं सेवा शिविरों का आयोजन किया गया। सचिव सुनीत अग्रवाल ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) की आदिवासियों के अधिकारों का संरक्षण एवं प्रवर्तन हेतु विधिक सेवाएँ योजना, 2015 के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ-साथ नि:शुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत, मध्यस्थता, अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना, बाल विवाह निषेध, महिला एवं बाल संरक्षण संबंधी विधिक प्रावधानों तथा केन्द्र एवं राज्य शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

भाजपा चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास कर रही है, चुनाव आयोग तत्काल हस्तक्षेप करे : जीतू पटवारी

भोपाल (आरएनएस)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आरोप लगाया है कि भारतीय जनता पार्टी लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने दतिया विधानसभा उपचुनाव के मद्देनजर चुनाव आयोग से विशेष निगरानी और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने की मांग की।जीतू पटवारी ने शनिवार को बयान जारी कर कहा कि राज्यसभा चुनाव से लेकर विजयपुर विधानसभा उपचुनाव और अब दतिया विधानसभा क्षेत्र के हालिया घटनाक्रम तक कई ऐसे उदाहरण सामने आए हैं, जिनसे लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर सवाल खड़े होते हैं। उनका दावा है कि इन घटनाओं से लोकतांत्रिक मूल्यों को आघात पहुंचा है और जनता के जनादेश का सम्मान प्रभावित हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्यसभा चुनाव में एक सीट कांग्रेस से छीनी गई, विजयपुर विधानसभा में न्यायिक प्रक्रिया के बाद हुए घटनाक्रम से चुनाव परिणाम प्रभावित हुए तथा राजेंद्र

भारती को योजनाबद्ध तरीके से पद से हटाया गया। साथ ही उन्होंने भाजपा पर विधायकों की खरीद-फरोख्त के आरोपों का भी उल्लेख करते हुए कहा कि इन घटनाओं पर देश की जनता की नजर है।दतिया विधानसभा उपचुनाव को लेकर पटवारी ने कहा कि कांग्रेस पूरी एकजुटता के साथ चुनाव मैदान में है और पार्टी को जनता का व्यापक समर्थन मिलने का विश्वास है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मतदाता लोकतांत्रिक मूल्यों और जनादेश के सम्मान को प्राथमिकता देंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने दतिया में पिछले दो दिनों के घटनाक्रम का उल्लेख करते हुए कानून-व्यवस्था की स्थिति पर भी चिंता व्यक्त की। उनका कहना था कि यदि प्रशासन छोटी-छोटी घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित नहीं कर पा रहा है, तो निष्पक्ष चुनाव कराने की उसकी क्षमता पर स्वाभाविक रूप से प्रश्न उठते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी परिस्थितियां मतदाताओं और राजनीतिक दलों के बीच संदेह की स्थिति पैदा कर सकती हैं। पटवारी ने चुनाव आयोग से आग्रह किया कि दतिया उपचुनाव की प्रत्येक गतिविधि पर विशेष निगरानी रखी जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रशासन पूरी तरह निष्पक्ष होकर कार्य करे, ताकि किसी भी प्रकार का दबाव या पक्षपात चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित न कर सके। उन्होंने कहा कि भाजपा के भीतर चल रहा विवाद उसका आंतरिक मामला है और कांग्रेस उस पर टिप्पणी नहीं करना चाहती।

भोपाल में पति से अलग रह रही महिला से रेप

आरोपी ने शादी का भरोसा दिलाकर की वारदात

भोपाल (ए.)। भोपाल में पति से अलग रह रही महिला से रेप का मामला सामने आया है। एक युवक ने उसे शादी का भरोसा दिलाया था।

घुमाने के बहाने उससे मुलाकात की और होटल रूम में उसके साथ ज्यादती की। करीब आठ महीने तक दोनों रिलेशन में रहे। अब आरोपी ने शादी करने से इनकार कर दिया है। जिसके बाद पीड़िता थाने पहुंची और एफआईआर दर्ज करा दी। फिलहाल आरोपी की गिरफ्तारी नहीं की जा सकी है। पुलिस ने बताया कि 28 वर्षीय महिला मूलत: महाराष्ट्र की रहने वाली है। वहां पर वह अपने पति के साथ रहती थी। घर में रोजाना होने वाली खटपट से परेशान होकर उसने पति को छोड़ दिया तथा भोपाल में आकर रहने लगी। यहां पर वह सडक़ किनारे फूड ठेला लगाने लगी। इस काम के दौरान वह राहुल नाम के युवक के संपर्क में आ गई। उनके बीच जब नजदीकियां बढ़ीं तो युवक ने महिला को शाादी करने का झांसा दिया। महिला ने जब शादी करने के लिए हामी भर दी तो अक्टूबर 2025 में वह महिला को घुमाने के बहाने नेहरू नगर चौराहा स्थित एक होटल में लेकर गया। यहां पर उसने जल्द ही शादी करने की बात कहते हुए महिला के साथ रेप किया। इसके बाद से वह लगातार महिला का शारीरिक शोषण करता रहा।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा की अध्यक्षता में आयोजित आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) की मिशन स्टीयरिंग ग्रुप की तृतीय बैठक में सहभागिता की।

घर में मिला महिला का कान कटा शव

भोपाल के छोला मंदिर थाना क्षेत्र के कल्याण नगर में 50 वर्षीय महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया

मथरी बाई, मृतक

भोपाल(आरएनएस)। शरीर पर कई जगह गहरे चोट और कान काटा होने से पुलिस हत्या की आशंका से भी इनकार नहीं कर रही है। फिलहाल मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद हत्या का मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान मथरी बाई उर्फ ममता (50) पत्नी मुंशीलाल जाटव निवासी कल्याण नगर, छोला के रूप में हुई है। वह पिछले करीब आठ वर्षों से पति से अलग रह रही थी और सब्जी मंडी में हम्माली का काम कर अपना जीवनयापन करती थी। उसकी चार बेटियों में से तीन की शादी हो चुकी है, जबकि एक बेटी अपनी मौसी के पास रहती है।शव शनिवार तड़के करीब 3:40 बजे पड़ोसियों की सूचना पर घर से बरामद किया गया। पड़ोसियों ने पुलिस को बताया कि महिला को आखिरी बार करीब दो दिन पहले देखा गया था। प्रारंभिक जांच में शव करीब 48 घंटे पुराना होने की संभावना जताई जा रही है। मृतका के पति मुंशीलाल जाटव का आरोप है कि किसी ने पहले उसकी पत्नी को शराब पिलाई, फिर लूट की नीयत से उसकी हत्या कर दी। उनका कहना है कि पत्नी के शरीर पर कई गंभीर चोटों के निशान हैं और कान में पहने सोने के झुमके सहित घर से सामान भी गायब है। हालांकि उन्होंने किसी पुरानी रंजिश या किसी संदिग्ध व्यक्ति का नाम पुलिस को नहीं बताया है।छोला मंदिर थाने के एसआई महेश सरयम ने बताया कि महिला के शरीर पर कई स्थानों पर चोट और कट के निशान मिले हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मौत का कारण स्पष्ट होगा। हत्या की पुष्टि होती है तो संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच आगे बढ़ाई जाएगी।

अब प्रत्येक गुम इंसान प्रकरण में अनिवार्य रूप से दर्ज होगी एफआईआर

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में पुलिस मुख्यालय ने जारी किए निर्देश

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश पुलिस ने गुमशुदा व्यक्तियों की शीघ्र खोज एवं उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए प्रदेश के सभी पुलिस इकाइयों को प्रत्येक गुम इंसान (महिला एवं पुरुष) के प्रकरण में अनिवार्य रूप से एफआईआर पंजीबद्ध करने के निर्देश जारी किए हैं। इस संबंध में पुलिस मुख्यालय द्वारा प्रदेश के सभी पुलिस आयुक्तों, पुलिस महानिरीक्षकों, उप पुलिस महानिरीक्षकों एवं पुलिस अधीक्षकों को विस्तृत निर्देश प्रेषित किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2012 में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वाराबचपन बचाओ आंदोलन बनाम भारत सरकारप्रकरण में दिए गए निर्देशों के अनुसार गुम नाबालिग बच्चों के मामलों में एफआईआर दर्ज करने की व्यवस्था लागू की गई थी। अब हाल ही में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वाराजी. गणेश बनाम तमिलनाडु राज्य एवं अन्य में दिए गए निर्णय के अनुसार प्रत्येक गुम इंसान, चाहे वह महिला हो या पुरुष, के मामले में भी अनिवार्य रूप से एफआईआर दर्ज किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

भोपाल स्टेशन पर मिली मासूम के मामले में नया सुराग

सीसीटीवी में महिला और युवक के साथ दिखी बच्ची

भोपाल(आरएनएस)। रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म-6 स्थित ऑटो स्टैंड पर एक माह की मासूम बच्ची के लावारिस मिलने के मामले में जीआरपी को अहम सुराग हाथ लगा है। स्टेशन परिसर और आसपास लगे

सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में एक महिला और एक युवक बच्ची को अपने साथ ले जाते और अलग-अलग स्थानों पर दिखाई दे रहे हैं। इन्हीं फुटेज के आधार पर पुलिस अब दोनों की पहचान करने और बच्ची से उनके संबंधों का पता लगाने में जुट गई है।जांच में सामने आए सीसीटीवी फुटेज में महिला की गोद में बच्ची दिखाई दे रही है, जबकि एक अन्य फुटेज में युवक भी बच्ची साथ नजर आ रहा है। दोनों स्टेशन परिसर और उसके आसपास के इलाके में घूमते हुए दिखाई देते हैं। कुछ देर बाद यही बच्ची प्लेटफॉर्म-6 के ऑटो स्टैंड पर खड़े ऑटो में लावारिस हालत में मिली थी। पुलिस अब दोनों की गतिविधियों की पूरी टाइमलाइन तैयार कर रही है।जीआरपी अधिकारियों के अनुसार, स्टेशन परिसर, प्रवेश और निकास द्वार, ऑटो स्टैंड तथा आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। अलग-अलग कैमरों की रिकॉर्डिंग को जोड़कर यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि महिला और युवक स्टेशन पर कब पहुंचे, किन रास्तों से आए और बच्ची को ऑटो में छोड़ने के बाद किस दिशा में गए।पुलिस का कहना है कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि सीसीटीवी में दिखाई दे रहे महिला और युवक बच्ची के माता-पिता हैं या नहीं। उनकी पहचान और भूमिका की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

दिल्ली-भोपाल शताब्दी एक्सप्रेस में एक्सपायरी ब्रेड परोसी

छोटे बच्चों समेत कई यात्रियों को फूड पॉयजनिंग की आशंका; रेल मदद-उपभोक्ता आयोग से शिकायत

भोपाल(आरएनएस)। दिल्ली से भोपाल आ रही 12002 नई दिल्ली-रानी कमलापति शताब्दी एक्सप्रेस में शनिवार सुबह यात्रियों को नाश्ते में एक्सपायरी ब्रेड परोसने का मामला सामने आया। C-4 कोच के करीब 74 यात्रियों, जिनमें छोटे बच्चे भी शामिल थे। सभी को ऐसी ब्रेड दी गई जिसकी यूज बाय डेट 10 जुलाई 2026 थी। ज्यादातर यात्री ब्रेड खा चुके थे। इसके बाद पैकेट पर तारीख देखकर ट्रेन में फूड पॉयजनिंग की आशंका हुई।यात्रियों का कहना है कि यह मामला केवल एक कोच तक सीमित नहीं था। कोच के बाहर रखे कैटरिंग पैकेट्स में भी उसी तारीख वाली ब्रेड मिली। इससे आशंका जताई जा रही है कि एक्सपायरी ब्रेड ट्रेन के कई कोचों में यात्रियों को परोसी गई होगी।घटना के बाद कई यात्रियों ने रेल मदद ऐप और ऑनलाइन उपभोक्ता आयोग (कंज्यूमर कमीशन) पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। दिल्ली से भोपाल जा रहे यात्री सीनियर एनालिस्ट प्रणव ने बताया कि सुबह सभी यात्रियों को नाश्ते में ब्रेड दी गई थी। अधिकांश लोग उसे खा चुके थे। तभी पीछे बैठे एक यात्री ने पैकेट पर अंकित यूज़ बाय डेट देखकर बताया कि ब्रेड की अवधि समाप्त हो चुकी है।

मध्यप्रदेश पुलिस की नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान से पहले प्रदेशभर में बड़ी कार्रवाई

विगत दो दिनों में 61 लाख रूपए से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ, प्रतिबंधित नशीली दवाइयां एवं वाहन जब्त

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा आगामी 15 जुलाई से प्रारंभ होने वाले राज्यव्यापी नशामुक्ति जन-जागरूकता अभियान नशे से दूरी है जरूरी 2.0 के पूर्व अवैध मादक पदार्थों के कारोबार के विरुद्ध प्रदेशभर में सघन एवं प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। अभियान के शुभारंभ से पहले ही पुलिस ने नशा तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए विगत दो दिनों में विभिन्न जिलों से लगभग 61लाख 77 हजार रुपयेमूल्य के मादक पदार्थ, प्रतिबंधित नशीली दवाइयां एवं वाहन जब्त किए हैं तथा कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मध्यप्रदेश पुलिस का उद्देश्य केवल नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाना ही नहीं, बल्कि तस्करी के संगठित नेटवर्क को ध्वस्त करते हुए प्रदेश में नशामुक्त वातावरण तैयार करना भी है। इसी उद्देश्य से अभियान प्रारंभ होने से पूर्व प्रदेशभर में लगातार सघन कार्रवाई की जा रही है।

नीमच

जिलेके जीरन थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 4 किलो 500 ग्राम अवैध अफीम एवं 30 किलोग्राम डोडाचूराबरामद कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। जब्त मादक पदार्थों की अनुमानित कीमत 27 लाख रुपयेहै। आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई है।

इंदौर

पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए लगभग 12 लाख रूपए की एमडी ड्रग्स एवं ब्राउन शुगर जब्त कर दो ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया। थाना हीरानगर पुलिस ने एक आरोपी के कब्जे से 6.30 ग्राम एमडी ड्रग्स (कीमत लगभग 1 लाख रूपए) बरामद की। वहीं थाना खजराना पुलिस ने मंदसौर निवासी एक तस्कर को 110 ग्राम ब्राउन शुगर (कीमत 11 लाख रूपए से अधिक) के साथ गिरफ्तार किया। दोनों मामलों में आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

नरसिंहपुर

पुलिस ने थाना कोतवाली क्षेत्र के तिंदनी रोड नहर के पास मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से 10 ग्राम स्मैक (अनुमानित कीमत 1 लाख रूपए) एवं एक मोबाइल जब्त किया गया। आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर स्मैक के स्रोत तथा इससे जुड़े तस्करी नेटवर्क की जांच की जा रही है।

शिवपुरी

जिलेके पोहरी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 1 किलो 261 ग्राम गांजाजब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत 22 हजार रुपयेहै।

सिंगरौली

बरगवां पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक स्कॉर्पियो वाहन से 722 शीशी (72.2 लीटर) प्रतिबंधित कोडीनयुक्त कफ सिरप बरामद की है। कार्रवाई के दौरान लगभग 21 लाख 55 हजार रूपए की नशीली दवा एवं वाहन जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया तथा एक विधि-विरुद्ध बालक को अभिरक्षा में लिया गया।

मध्यप्रदेश पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के दौरान नशे के विरुद्ध जन-जागरूकता के साथ-साथ अवैध मादक पदार्थों के निर्माण, परिवहन, भंडारण एवं तस्करी में संलिप्त व्यक्तियों और गिरोहों के विरुद्ध इसी प्रकार कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में पोहा और खिचड़ी खाई।

भावी पीढ़ी के लिए हरित मध्यप्रदेश का निर्माण हमारी प्राथमिकता : राज्यमंत्री श्री पंवार

हरियाली महोत्सव के अंतर्गत हुआ पौध-रोपण नवीन संयुक्त कार्यालय परिसर का किया अवलोकन

नरसिंहगढ़ (ए.)। मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नारायण सिंह पंवार ने कहा है कि भावी पीढ़ी के लिए हरित मध्यप्रदेश का निर्माण हमारी प्राथमिकता है। साथ ही प्रकृति और पर्यावरण का संरक्षण हम सभी का नैतिक दायित्व है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संचालित 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान ने पर्यावरण संरक्षण को एक व्यापक जनभागीदारी का स्वरूप दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार हरियाली महोत्सव, व्यापक वृक्षारोपण और जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित एवं हरित मध्यप्रदेश के निर्माण की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। विकास और पर्यावरण के बीच बेहतर संतुलन स्थापित करना आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है, इसलिए प्रत्येक नागरिक को अपने जीवन में कम से कम एक पौधे को वृक्ष बनने तक संरक्षित करने का संकल्प लेना चाहिए।

वृक्ष न केवल हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि वे जैव विविधता, मृदा संरक्षण और प्रकृति के संतुलन के मुख्य आधार हैं। राज्यमंत्री पंवार हरियाली महोत्सव अभियान में नरसिंहगढ़ के नवीन अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं तहसीलदार कार्यालय के संयुक्त परिसर में पौध- रोपण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। राज्यमंत्री श्री पंवार और विधायक मोहन शर्मा ने नवनिर्मित संयुक्त शासकीय परिसर भवन का अवलोकन कर भवन में उपलब्ध नागरिक सुविधाओं, विभागीय व्यवस्थाओं और प्रशासनिक विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि परिसर नरसिंहगढ़ की जनता के लिए एक बड़ी सौगात है। पहले अनेक शासकीय कार्यालय अलग-अलग एवं छोटे भवनों में संचालित होते थे, जिससे नागरिकों को भटकना पड़ता था। अब एक ही छत के नीचे अधिकांश कार्यालय होने से जनता के समय और श्रम दोनों की बचत होगी

अवैध रूप से भंडारित रेत व पोकलेन मशीन जब्त फर्जी बिल बुक मिलने पर एफआईआर दर्ज

खनिज, राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त कार्रवाई

जबलपुर (ए) । कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देश पर खनिज, राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने तहसील पाटन क्षेत्र में अवैध खनिज गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ग्राम हरदुआ में अवैध रेत भंडारण पर कार्रवाई की तथा ग्राम गाड़ाघाट टोल के पास फर्जी बिल बुक मिलने के मामले में एफआईआर दर्ज कराई है। खनिज अधिकारी ए.के. राय ने बताया कि एसडीएम पाटन सुश्री सृष्टि प्रजापति के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी सिहोरा आईपीएस आदित्य सिन्हारिया के नेतृत्व में गत दिवस ग्राम हरदुआ में संयुक्त रूप से आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान करीब दो हाईवा रेत का अवैध भंडारण पाया गया। मौके से एक पोकलेन मशीन भी लावारिस अवस्था में मिली। रेत और पोकलेन मशीन को जब्त कर आगामी आदेश तक थाना प्रभारी पाटन की अभिरक्षा में रखा गया है। मामले में कलेक्टर को प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आगे की वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।इसी कार्यवाही के दौरान ग्राम गाड़ाघाट टोल के पास खनिज रेत के परिवहन एवं खनन में उपयोग की जा रही अवैध बिल बुक बरामद की गई। गोविंद धुर्वे पिता प्रकाश धुर्वे से उक्त रसीद बुक जब्त की गई। प्रथम दृष्टया फर्जी तरीके से खनिज रेत के परिवहन एवं व्यापार में संलिप्तता पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही के लिए थाना पाटन में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।इस कार्यवाही में तहसीलदार पाटन सच्चिदानंद त्रिपाठी, थाना प्रभारी पाटन गोविंद सिंह राजपूत, खनिज निरीक्षक विवेकानंद यादव, पटवारी, होमगार्ड महेंद्र पटेल सहित पुलिस, राजस्व एवं खनिज विभाग का अमला उपस्थित रहा।

विश्व जनसंख्या दिवस पर जिले में जनजागरूकता अभियान शुरु

जबलपुर (ए) । विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जनसंख्या स्थिरीकरण, परिवार नियोजन तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष अभियान का शुभारंभ आज जिला चिकित्सालय से सीएमएचओ डॉ. नवीन कोठारी ने जनजागरूकता रथ और रैली को हरी झंडी दिखाकर किया। जिले में 11 से 18 जुलाई तक चलने वाले इस अभियान में जागरूकता रैली, प्रचार-प्रसार गतिविधियां, विशेष परिवार नियोजन शिविर और सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सीएमएचओ ने कहा कि स्वस्थ मां और स्वस्थ शिशु के लिए गर्भधारण के बीच उचित अंतराल जरूरी है। अभियान के दौरान विवाह के बाद उचित समय पर संतानोत्पत्ति, बच्चों के जन्म में उचित अंतराल, प्रसवोत्तर परिवार नियोजन सेवाओं के उपयोग, पुरुष सहभागिता तथा परिवार नियोजन के स्थायी और अस्थायी साधनों के प्रति जागरूकता बढ़ाई जाएगी। जिलेभर में विशेष परिवार नियोजन सेवा शिविर भी आयोजित किए जाएंगे। विश्व जनसंख्या दिवस के शुभारंभ पर सेठ गोविंददास जिला चिकित्सालय में पुरुष एवं महिला नसबंदी शिविर का आयोजन भी किया गया। शिविर में सुपरवाइजर जितेन्द्र सोनकर के मार्गदर्शन में 2 पुरुष नसबंदी और 21 महिलाओं के एलटीटी ऑपरेशन सफलतापूर्वक किए गए।

विश्व जनसंख्या दिवस पर सागर में निकली जागरूकता रैली, परिवार नियोजन अपनाने का लिया संकल्प

सागर, (ए.)। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर शनिवार को मध्य प्रदेश के सागर जिला चिकित्सालय सागर में जनसंख्या स्थिरीकरण और परिवार कल्याण के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से जागरूकता रैली निकाली गई। कार्यक्रम के माध्यम से नागरिकों को छोटे परिवार, सुरक्षित मातृत्व और परिवार नियोजन के महत्व से अवगत कराया गया।रैली का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. देवेश पटैरिया ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि संतुलित जनसंख्या देश और प्रदेश के सतत विकास की आधारशिला है। उन्होंने परिवार कल्याण कार्यक्रमों और शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए लोगों से जिम्मेदार अभिभावक बनने और परिवार नियोजन के उपाय अपनाने का आग्रह किया।रैली के बाद जिला चिकित्सालय परिसर में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने परिवार नियोजन और मातृ-शिशु स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर जानकारी साझा की।डॉ. ज्योति चौहान ने कहा कि छोटा और नियोजित परिवार सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से अधिक सशक्त होता है। इससे बच्चों को बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण उपलब्ध कराया जा सकता है। वहीं, जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन डॉ. आर.एस. जयंत ने परिवार नियोजन के स्थायी उपायों, विशेषकर नसबंदी से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करते हुए इसकी उपयोगिता और प्रक्रिया की जानकारी दी। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने "छोटा परिवार, स्वस्थ परिवार" के संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने और परिवार नियोजन के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने का सामूहिक संकल्प लिया।इस अवसर पर डॉ. अचला जैन, डॉ. हेमंत कोष्टी, डॉ. संतोष पटेल, आर.के. जड़िया सहित स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी एवं चिकित्सक उपस्थित रहे। एफआरएचएस इंडिया के प्रतिनिधि जॉली साबू और अभिषेक, स्वास्थ्य विभाग का सहयोगी स्टाफ, अर्बन आशा कार्यकर्ता, बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज (बीएमसी) के छात्र-छात्राएं तथा बड़ी संख्या में स्वास्थ्यकर्मी भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

व्यापार समाचार

शांति अधिनियम 2025 के क्रियान्वयन को लेकर नीति आयोग की अहम बैठक, तीन प्रमुख क्षेत्रों पर मंथन

नई दिल्ली ,(आरएनएस) ,। नीति आयोग ने 'शांति अधिनियम 2025' के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर एक महत्वपूर्ण हितधारक परामर्श बैठक आयोजित की, जिसमें सरकार, अनुसंधान संस्थानों और उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने कानून के विभिन्न पहलुओं पर अपने सुझाव दिए, जो इसके क्रियान्वयन ढांचे को और मजबूत बनाने में सहायक होंगे।

नीति आयोग के अनुसार, इस बैठक में सरकार, नीति-निर्माताओं, शोध संस्थानों और उद्योग से जुड़े प्रमुख विशेषज्ञों ने भाग लिया। चर्चा का मुख्य उद्देश्य शांति अधिनियम 2025 के संचालन को प्रभावी और व्यावहारिक बनाना था।बैठक में चर्चा को कानून के सफल क्रियान्वयन के लिए आवश्यक तीन प्रमुख स्तंभों के आधार पर आयोजित किया गया।

पहला, विधायी और नियामकीय ढांचा। इस सत्र में शांति अधिनियम 2025 के तहत तैयार किए गए ड्राफ्ट नियमों, विनियमों और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति से जुड़े प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा हुई।

विशेषज्ञों ने कानून के तहत वैधानिक अनुपालन की प्रक्रिया पर विचार-विमर्श किया। साथ ही इस बात पर भी चर्चा हुई कि किस तरह विदेशी निवेश आकर्षित किया जाए, जबकि देश के रणनीतिक और राष्ट्रीय हित पूरी तरह सुरक्षित रहें।दूसरा, वित्त, बीमा और जनविश्वास। इस सत्र में कानून के सफल क्रियान्वयन के लिए आवश्यक वित्तीय व्यवस्था और जोखिम प्रबंधन पर चर्चा की गई।इसमें दीर्घकालिक परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं के लिए उपयुक्त बीमा व्यवस्था तैयार करने और आम लोगों के बीच जागरूकता, विश्वास और परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं की स्वीकार्यता बढ़ाने की रणनीतियों पर भी विचार किया गया।

और तीसरा, विनिर्माण, संचालन और क्षमता निर्माण, जिसमें कानून के लागू होने के बाद की संचालन प्रक्रिया पर चर्चा हुई। इस सत्र में घरेलू विनिर्माण क्षमता बढ़ाने, परियोजनाओं की संचालन संबंधी तैयारियों को मजबूत करने और कुशल मानव संसाधन विकसित करने पर जोर दिया गया।हितधारकों ने सप्लाई चेन को अधिक मजबूत और लचीला बनाने तथा उद्योग के विस्तार के लिए विशेष क्षमता निर्माण कार्यक्रम तैयार करने पर भी सुझाव दिए।यह बैठक नीति आयोग के सदस्य प्रोफेसर अभय करंदीकर की अध्यक्षता में आयोजित की गई।शांति अधिनियम 2025 का उद्देश्य भारत को परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना और विकसित भारत 2047 के तहत निर्धारित स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को हासिल करना है।

इस कानून के माध्यम से निजी क्षेत्र और संयुक्त उपक्रमों की जिम्मेदार भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, जिससे संसाधनों की कमी दूर करने, परियोजनाओं को समय पर पूरा करने और 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता विकसित करने के राष्ट्रीय लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी। साथ ही, इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा और जनहित से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

चार हफ्तों की तेजी पर लगा ब्रेक, सेंसेक्स-निफ्टी में मामूली गिरावट; पश्चिम एशिया तनाव का असर

मुंबई ,(आरएनएस) ,। लगातार चार सप्ताह की तेजी के बाद भारतीय शेयर बाजार इस सप्ताह मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया, जिससे निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई।इस सप्ताह के दौरान निफ्टी 0.26 प्रतिशत फिसला, हालांकि आखिरी कारोबारी दिन इसमें 1.02 प्रतिशत की तेजी आई और यह 24,206 अंक पर बंद हुआ। वहीं, सेंसेक्स शुक्रवार को 827 अंक (1.08 प्रतिशत) की बढ़त के साथ 77,569 अंक पर बंद हुआ। इसके बावजूद पूरे सप्ताह में सेंसेक्स 0.25 प्रतिशत कमजोर रहा।पूरे सप्ताह बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। सप्ताह की शुरुआत सकारात्मक माहौल के साथ हुई, लेकिन बाद में पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता को लेकर अनिश्चितता के कारण वैश्विक बाजारों में बिकवाली का माहौल बन गया, जिसका असर भारतीय शेयर बाजार पर भी देखने को मिला। हालांकि, बाजार में यह गिरावट ज्यादा समय तक नहीं रही। एक बाजार विशेषज्ञ के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के लिए बैंकिंग और आईटी कंपनियों के बेहतर कारोबारी अपडेट आने से निवेशकों का भरोसा फिर मजबूत

हुआ और आगामी तिमाही नतीजों को लेकर सकारात्मक माहौल बना।

सप्ताह के दूसरे हिस्से में भारतीय शेयर बाजार में अच्छी रिकवरी देखने को मिली, जिसकी प्रमुख वजह कच्चे तेल की कीमतों का करीब 76 डॉलर प्रति बैरल से घटकर 71-72 डॉलर प्रति बैरल के दायरे में आना, वैश्विक टेक शेयरों में सुधार और कूटनीतिक प्रयासों को लेकर बढ़ी उम्मीदें रहीं।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि पहली तिमाही में कंपनियों के नतीजे उम्मीद से बेहतर रहते हैं, तो वित्त वर्ष 2026-27 की कमाई (कॉरपोरेट अर्निंग्स) को लेकर भरोसा और मजबूत होगा। इससे विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का निवेश भी बढ़ सकता है। एफआईआई सप्ताह के अधिकांश कारोबारी सत्रों में शुद्ध खरीदार (नेट बायर्स) रहे। वहीं पूरे सप्ताह के दौरान उन्होंने भारतीय शेयर बाजार में करीब 4,670 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया।सेक्टोरल प्रदर्शन की बात करें तो रियल एस्टेट, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और आईटी सेक्टर ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। वहीं मीडिया, एफएमसीजी और केमिकल सेक्टर दबाव में रहे।इस दौरान मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों ने भी प्रमुख बेंचमार्कों से बेहतर प्रदर्शन किया। रियल्टी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और मेटल शेयरों में खरीदारी से इन दोनों श्रेणियों को मजबूती मिली।सप्ताह के दौरान निफ्टी मिडकैप-100 में 1.36 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप-100 में 1.26 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, निकट भविष्य में निफ्टी के लिए 24,300 का स्तर प्रमुख प्रतिरोध (रेजिस्टेंस) का स्तर रहेगा, जबकि 24,100 तत्काल समर्थन (इमीडिएट सपोर्ट) के रूप में देखा जा रहा है,

सोने-चांदी की कीमतों में जोरदार गिरावट, निवेशकों की बढ़ी चिंता, खरीदारों के लिए बढ़ा मौका

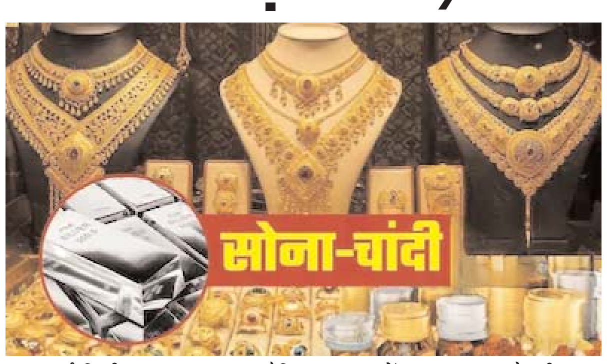

नई दिल्ली (आरएनएस) । वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच इस सप्ताह सोने और चांदी की कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 24 कैरेट सोना करीब 3,000 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता हुआ, जबकि चांदी की कीमत में 13,000 रुपये से अधिक प्रति किलोग्राम की कमी आई है।आईबीजेए के अनुसार, 24 कैरेट सोने का भाव इस सप्ताह 2,976 रुपये घटकर 1,43,368 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया, जबकि पिछले सप्ताह यह 1,46,344 रुपये प्रति 10 ग्राम था।इसी तरह, 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,051 रुपये से घटकर 1,31,325 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गई। वहीं, 18 कैरेट सोना 2,232 रुपये की गिरावट के साथ 1,07,526 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जो पहले 1,09,758 रुपये प्रति 10 ग्राम था।साप्ताहिक कारोबार के दौरान 8 जुलाई की शाम 24 कैरेट सोने का न्यूनतम भाव 1,42,350 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया, जबकि 6 जुलाई की सुबह इसका उच्चतम स्तर 1,45,583 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा।सोने के साथ-साथ चांदी की कीमतों में भी तेज गिरावट देखने को मिली। इस सप्ताह चांदी 13,468 रुपये सस्ती होकर 2,20,390 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई, जबकि पिछले सप्ताह इसका भाव 2,33,858 रुपये प्रति किलोग्राम था। चांदी का उच्चतम स्तर 6 जुलाई की शाम 2,33,158 रुपये प्रति किलोग्राम और न्यूनतम स्तर 10 जुलाई की शाम 2,20,390 रुपये प्रति किलोग्राम दर्ज किया गया।आईबीजेए प्रतिदिन सुबह और शाम दो सत्रों में सोने और चांदी के भाव जारी करता है, जिनका उपयोग देशभर के सर्राफा बाजार में संदर्भ मूल्य के रूप में किया जाता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो सोना लगभग 4,100 डॉलर प्रति औंस और चांदी करीब 60 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार कर रही है।बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक निवेशकों की बदलती रणनीति और अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ी अनिश्चितता का असर कीमती धातुओं की कीमतों पर देखने को मिला है। उनका कहना है कि आने वाले दिनों में वैश्विक घटनाक्रम और निवेशकों की धारणा के आधार पर सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है।

मैसेजिंग ऐप्स पर सरकार की सख्ती, व्हाट्सएप विवाद के बाद नए नियमों की तैयारी

नई दिल्ली (आरएनएस) । व्हाट्सएप के प्रस्तावित यूजरनेम फीचर को लेकर उठे विवाद के बाद केंद्र सरकार देश में संचालित सभी मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स के लिए एक समान नियम (कॉमन स्टैंडर्ड) लागू करने पर विचार कर रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ऐसा साझा रेगुलेटरी फ्रेमवर्क तैयार करने पर काम कर रहा है, जो किसी एक प्लेटफॉर्म के बजाय सभी मैसेजिंग सेवाओं पर समान रूप से लागू हो।यह पहल ऐसे समय में सामने आई है, जब सरकार ने हाल ही में व्हाट्सएप के प्रस्तावित यूजरनेम फीचर पर आपत्ति जताई। इस फीचर के जरिए यूजर्स बिना अपना मोबाइल नंबर साझा किए एक-दूसरे से बातचीत कर सकेंगे। सरकार का कहना है कि यह सुविधा साइबर अपराधियों के लिए लोगों की पहचान का गलत इस्तेमाल करने, डिजिटल अरेस्ट जैसे ऑनलाइन फ्रॉड, फिशिंग और प्रतिरूपण (इम्पर्सनेशन) जैसी घटनाओं को बढ़ावा दे सकती है।

एप्पल ने ओपनएआई को घेरा, गोपनीय डेटा और भविष्य के प्रोडक्ट्स की जानकारी चोरी का दावा

नई दिल्ली (आरएनएस) । दिग्गज टेक कंपनी एप्पल ने एआई कंपनी ओपनएआई और उसके हार्डवेयर प्रमुख के खिलाफ बड़ा कानूनी कदम उठाया है। एप्पल ने आरोप लगाया कि ओपनएआई ने सुनियोजित तरीके से उसके आने वाले प्रोडक्ट्स से जुड़ी गोपनीय जानकारी, डिजाइन और तकनीकी दस्तावेज हासिल करने की कोशिश की।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कैलिफोर्निया के नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में दायर मुकदमे में एप्पल ने कहा कि ओपनएआई के मुख्य हार्डवेयर अधिकारी टैंग टैन ने नौकरी के इंटरव्यू के दौरान एप्पल के कर्मचारियों को कंपनी के आने वाले प्रोडक्ट्स से जुड़ी जानकारी, कंपोनेंट्स, ड्रॉइंग और अन्य गोपनीय सामग्री साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

टैंग टैन पहले एप्पल में प्रोडक्ट डिजाइन के वाइस प्रेसिडेंट रह चुके हैं। उन्होंने आईफोन, एप्पल वॉच, एयरपॉड्स और कंपनी के कई अन्य हार्डवेयर प्रोडक्ट्स का नेतृत्व किया था।

मुकदमे में पूर्व आईफोन हार्डवेयर इंजीनियर चांग लियू का भी नाम शामिल है। एप्पल का आरोप है कि चांग लियू ने ओपनएआई के लिए हार्डवेयर विकसित करने के दौरान गैरकानूनी तरीके से एप्पल की दर्जनों गोपनीय हार्डवेयर फाइलों तक पहुंच बनाई। इन फाइलों में अभी तक लॉन्च नहीं हुए प्रोडक्ट्स से जुड़ी विस्तृत तकनीकी जानकारी और इंजीनियरिंग प्रेजेंटेशन शामिल थे।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

पानी की किल्लत से ग्रस्त

डेटा सेंटर उन क्षेत्रों में बन रहे हैं, जो पानी की किल्लत से ग्रस्त हैं। भारत डेटा सेंटरों में जल उपयोग को लेकर फिलहाल अनिवार्य पर्यावरण मानक या अनिवार्य रिपोर्टिंग के नियम मौजूद नहीं हैं।हर आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस डेटा सेंटर की स्थापना की खबर को भारत में एक बड़ी उपलब्धि समझा जाता है। इनसे विदेशी निवेश के रूप में आने वाले डॉलर की खबर उस समय और महत्त्वपूर्ण हो गई है, जब देश के सामने भुगतान संतुलन की चुनौती बढ़ रही है। मगर डेटा सेंटर्स के साथ एक अन्य बड़ी समस्या भारत आ रही है। ये वो समस्या है, जिसके कारण डेटा सेंटर्स विभिन्न अमेरिकी राज्यों में बेहद अलोकप्रिय हो गए हैं। इन सेंटर्स के लिए पानी और बिजली की इतनी ज्यादा जरूरत पड़ती है कि उससे भविष्य बिगड़ने की आशंका से कई अमेरिकी राज्यों में ये सेंटर्स बड़े जन प्रतिरोध का कारण बने हुए हैं।मगर भारत में इनको लेकर जागरूकता की अभी कमी है। जबकि गैर-सरकारी संस्था- काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर की एक नई रिपोर्ट के मुताबिक 2024-25 में भारत के डेटा सेंटरों ने सालाना 150 अरब लीटर पानी की खपत की। इन सेंटर्स की बढ़ती संख्या के कारण 2030 तक यह आंकड़ा 358 अरब लीटर पहुंचने का अनुमान है। डेटा सेंटर्स का कई उन जिलों में विस्तार हो रहा है, जो पहले से पानी की किल्लत का सामना कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में फिलहाल डेटा सेंटरों में पानी और बिजली के उपयोग को लेकर अनिवार्य पर्यावरण संरक्षण मानक या अनिवार्य रिपोर्टिंग संबंधी नियम मौजूद नहीं हैं।अमेजन, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट आदि जैसी अमेरिकी और रिलायंस एवं अडानी ग्रुप जैसी भारतीय कंपनियां डेटा सेंटर्स के निर्माण से जुड़ी हुई हैं। आशंका है कि इनके रसूख को देखते हुए पानी और बिजली से संबंधित सख्त नियम बनाने को लेकर सरकार कतराएगी, जिसका भविष्य पर बहुत खराब असर होगा। गौरतलब है कि क्लोज्ड-लूप लिक्विड कूलिंग, इमर्सन कूलिंग और 45 डिग्री सेल्सियस लिक्विड कूलिंग जैसे सिस्टम आज मौजूद हैं, जिनसे डेटा सेंटर्स में पानी की जरूरत घट सकती है। अत: डेटा सेंटर्स में इनका इस्तेमाल अनिवार्य करने के नियम सरकार को बनाने चाहिए। पानी के दोबारा इस्तेमाल की अनिवार्यता भी लागू की जानी चाहिए। किसी नए डेटा सेंटर को मंजूरी पानी के वैकल्पिक इंतजाम और जल ऑडिट की शर्त के साथ ही दी जानी चाहिए।

आ गया मानसून

डॉ. सुधीर सक्सेना

आ गया मानसून। मानसून आ गया है। करीब एक पखवाड़े की लुकाछिपी के बाद अंततः मानसून आ गया। इतराते-इठलाते मेघ पाहुने आखिरकार नाज-नखरे के साथ प्रकट हुए। धरती पुलक से भीग गई। यह अनहोनी नहीं है। यह सदियों से चला आया चक्र है। अनहोनी तब होती है, जब चक्र खंडित होता है और बादल रूठ जाते हैं, धरती की त्वचा में पपड़ियाँ पड़ जाती हैं और जीव-जंतु तुषार्त और व्यग्र हो जाते हैं। बहरहाल, किंचित विलंब ही सही, धरती और धरती के प्राणियों की प्रतीक्षा के मोद से भरे बादल आए, बरसे और कृतकृत्य हुए।

किसी ने कहा, 'अहा, बारिश आ गई।' अंग्रेजीदाँ बोले, 'इट्स रेनिंग।' मेरे जर्मन-भाषी मित्र ने दूरभाष पर कहा, 'एस रेग्नेट।' तो मराठी माणूस चहका, 'पाऊस आला।' कोकणस्थ ने भी कहा, 'हओ, पाउस आला।' मेरी बंगालन सखी ने आसमान से हुई रस-वृष्टि में आपादमस्तक भीग जाने के बाद संदेशा भेजा, 'बृष्टि एलो।' फोन की घंटी घनघनाई! मस्क्वा से मेरे मित्र का प्रश्न था, 'प्रिश्योल दोश्द?' मैंने सानंद कहा—'दा।' दोस्त मेरे आनंद में शरीक हुआ।

मानसून आता है, तो लोगबाग खुश होते हैं। मानसून हमारा शब्द नहीं है, अलबत्ता अब पूरे मुल्क में चलन में है। हम भारतीयों ने इसे हृदय से अपना लिया है। यह हमारी सहृदयता का सरस प्रमाण है। अब यह पराया या अजनबी नहीं रहा। अरबी मूल का यह शब्द ब्रिटिश इंडिया में चलन में आया। बीती सदी के शुरू में लार्ड कर्जन ने कहा था कि इंडिया में फसल मानसून की बिसात पर खेला जाने वाला जुआ है। लार्ड कर्जन गए, उनके सजातीय गए, लेकिन मानसून का इंतजार तब भी था, आज भी है और कल भी रहेगा। यह मानसून की सनातन महत्ता है। वर्षा द्वैत के अद्वैत और अद्वैत के द्वैत में परिवर्तन का दश4न है। मानसून का आना इंतजार की घड़ियों का खत्म होना है। मानसून प्रतीक्षा के उपरांत मिलन के पर्याय का घोतक है। यह अनिर्वचनीय आनंद की मंगल-वेला है।

खानखाना कहते हैं—

दादुर, मोर, किसान मन, लग्यो रहै घन माहिं।
रहिमन चातक रटनि हूँ, सरवर को कोउ नाहिं॥

विज्ञान इसकी पुष्टि करता है कि मेंढक वर्षा ऋतु आने पर परम प्रसन्न होते हैं। पावस के आने पर मोर का नृत्य उनके उल्लास का परिचायक है। और किसान? वर्षा उसके लिए सर्वस्व है। वह उसी से निहाल होता है। एक और जीव है, जिसका पावस से विचित्र नाता है। वह है चातक। हिन्दी और संस्कृत वाङ्मय में चातक का जिक्र अनगिनत बार हुआ है।

मानसून का क्या अभिप्राय है? अरबी में मौसिम मौसम के लिये

प्रयुक्त होता है। पुर्तगाली में यही मान्साओ है और डच भाषा में मॉनसन।

सागर से जमीन की ओर प्रवाहित नम हवाओं के लिये प्रयुक्त यह शब्द अब हमारा प्रिय और व्यवहृत शब्द है। दिशाएँ ऋतुनिष्ट होती हैं। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से आने वाली गीली हवा वर्षा का निमित्त बनती है। जलागारों या स्रोतों से वाष्पीकृत बूँदें वाष्परूप में नहीं रहना चाहतीं, वे द्रवीभूत होना चाहती हैं। उनकी इसी नैसर्गिक चाहत की परिणति है वर्षा। सौभाग्य देखिये कि भारत में अनुमानतः तीन-चार माह वर्षा होती है, किन्तु विश्व में सर्वाधिक वर्षा का कीर्तिमान भारत के नाम दर्ज है। चेरापूँजी को कौन नहीं जानता? सन 1860-61 में 26971 मि.मी. वर्षा से विश्व-कीर्तिमान स्थापित कर चुके चेरापूँजी को पूर्वी खासी पहाड़ियों में स्थित मवसिनराम ने इस गौरव से अपदस्थ कर दिया है। कुप्पीनुमा पहाड़ियों में स्थित मवसिनराम में ढाई सौ से तीन सौ दिन सालाना औसतन 467 इंच बारिश होती है। चेरापूँजी और मवसिनराम दोनों ही मेघालय में स्थित हैं। दुनिया में अटाकामा सबसे कम वर्षा का इलाका है, तो मेघालय अधिक वर्षा के मामले में अग्रणी। मेघ मेघालय में धारासार नहीं बरसेंगे तो और कहाँ बरसेंगे?

भारत 80 प्रतिशत से अधिक वर्षा के लिये मानसून का शुक्रगुजार है। मानसून की कृपा है तो भारत में श्री, सुषमा, अन्न-भंडार और सुख-चैन की व्याप्ति है।

भारत में साहित्य, कला और संस्कृति ऋतुओं से जुड़ी हुई हैं। वाल्मीकि-कालिदास से लेकर आधुनिक काल में नागार्जुन तक काव्य-रचना के लिये वर्षा से प्रेरित हुए। वैदिक ऋषि ने पर्जन्य की पिता के रूप में अभ्यर्थना की। आदिकवि वाल्मीकि ने मेघमाला को ऐसी सीढ़ी कहा, जिस पर चढ़कर कुटज और अर्जुन की माला से सूर्य की आराधना कर सकते हैं। 'रामायण' में वह लिखते हैं-

रजः प्रशान्तः स हिमोद्यवायुः, निदाघदोषः प्रसरः प्रशान्तः।
स्थिता हि यात्रा वसुधाधिपानां, प्रवासिनां च स्वदेशगमनम्॥

उन्होंने वर्षाजन्य स्थितियों का क्या ही सुंदर वर्णन किया। कविकुलगुरु कालिदास की तो कृति ही मेघदूतम् है। ऋतुसंहार में उन्हें वर्षा का आगमन ऐसा प्रतीत होता है, मानो पावस जल से भरे बादलों के मतवाले हाथी पर बैठकर, विद्युत-पताका थामे, मेघों की गर्जना का मृदंग बजाते, राजाओं की भाँति ठाठ-बाट से आ गया हो।

कालिदास के यक्ष और अमरूक-शतक की नायिका की आशा का केन्द्र कोई और नहीं, बादल ही हैं। शूद्रक, भवभूति और जयदेव ने भी मेघों का बखान किया है। आधुनिक युग में निराला अति घिर आए घन पावस के लिखते हैं, महादेवी वर्मा कहती हैं—मैं नीर भरी दुःख की बदली।

माखनलाल चतुर्वेदी लिखते हैं- बदरिया थम-थम कर झर री!
सागर को मत भरे अभागन,
गागर को भर री!

नागार्जुन भी अमुल धवल गिरि के शिखरों पर बादल को घिरते देखते हैं। वीरेंद्र मिश्र कजरी को स्वर देने और वाणी को पानी का वर देने को बादल को अर्चना करते हैं। नजीर अकबराबादी बादलों को काव्य के अनुशासन में बांधते हैं। पंडित छन्नूलाल मिश्र गाते हैं?

सावन झर लागे ला धीरे-धीरे..

अकेली डर लागे ला धीरे धीरे। जब वह गाते है तो याद आती है तुलसी की पंक्तियां : घन घमंड नभ गरजत घोरा। प्रिया हीन डरपत मन मोरा। पावस में मेरा कवि मन कहता है- साथ जब होती हो तुम /चाहते चाहते हैं बस/ कि दूर-दूर तलक/ न सायबान हो/ न दरख्त / न ओट/ न छज्जा/ बस, गजब की बारिश हो/ भीगते रहे हम आपादमस्तक/एक साथ सदियों तक।सुनिये, पं. हृदयनाथ मंगेशकर का मराठी गीत - ती गेली तेव्हा रिमझीम पाऊस निनादत होता। मेघात मिसळली किरणे, हा सूर्य सोडवित होता। आप सुरों की बारिश में भीग जआगे।यासिन कमाल की शुरू कीदो पंक्तियाँ हैं - बूँदे झर रही हैं, बारिश में भीगने का सुख ही अलग है। प्रिया के साथ भीगने का सुख ही अलग है। सर्वथा अनिर्वचनीय।भारतीय फिल्मों में बारिश की बूंदें खूब भरी है और वर्षा के अनगिन दृश्य उभरे हैं। याद कीजिये प्यार हुआ, इकरार हुआ गीत या फिर इक लड़की भीगी भागी सी या ओ, सजना बरखा बहार आयी।

यूज्ड ईवीः बदलती सोच, बदलता बाजार और बदलता भारत

[हरित विकास का लोकतंत्रीकरणः अब इलेक्ट्रिक सफर सबके लिए]

प्रो. आरके जैन अरिजीत

हर बदलाव नई चीज़ों से नहीं, नई सोच से जन्म लेता है। भारत में यूज्ड इलेक्ट्रिक वाहनों का तेज़ी से बढ़ता बाजार इसका प्रमाण है। यह केवल ऑटोमोबाइल उद्योग की रफ्तार नहीं, बल्कि विकास को उपभोग नहीं, उपयोगिता की कसौटी पर परखने का संकेत है। जिस वाहन को कल तक सेकंड हैंड कहकर नजरअंदाज किया जाता था, वही आज स्वच्छ पर्यावरण, किफायती परिवहन और टिकाऊ अर्थव्यवस्था का भरोसेमंद वाहक बन गया है। यूज्ड ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) बाजार की यह उड़ान महज़ आंकड़ों की कहानी नहीं, बल्कि उस भारत की पहचान है, जो सीमित संसाधनों में भी भविष्य गढ़ना जानता है।बदलाव की असली पहचान तब होती है, जब वह आम आदमी की पहुँच में उतर आए। इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ यही हो रहा है। नई ईवी कारों और दोपहिया वाहनों की ऊँची कीमत मध्यम वर्ग के लिए अब भी चुनौती है, लेकिन यूज्ड ईवी बाजार ने यह बाधा तोड़ दी है। कम कीमत, पर्याप्त बची हुई बैटरी लाइफ और आसान फाइनेंसिंग ने लाखों लोगों के लिए इलेक्ट्रिक वाहन सुलभ कर दिए हैं। आर्थिक सीमाओं में बंधे लोग अब पर्यावरण-अनुकूल विकल्प चुन सकते हैं। पहली इलेक्ट्रिक कार या स्कूटर अब केवल संपन्न वर्ग तक सीमित नहीं, बल्कि आम नागरिक की पहुँच में है।पूँजी हमेशा वहीं जाती है, जहाँ भविष्य दिखाई देता है। यूज्ड ईवी बाजार ने वित्तीय संस्थानों का यही भरोसा जीता है। फाइनेंस कंपनियाँ इसे केवल ऋण का नया क्षेत्र नहीं, बल्कि कम जोखिम और बेहतर प्रतिफल वाला निवेश मान रही हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती स्वीकार्यता और निरंतर बढ़ती मांग ने इस बाजार को मजबूत आधार दिया है। जब निवेश विश्वास के साथ बढ़ता है, तो स्पष्ट होता है कि बाजार क्षणिक उत्साह नहीं, स्थायी संभावनाओं पर टिका है। यही भरोसा आने वाले वर्षों में यूज्ड ईवी बाजार की रफ्तार को और तेज

करेगा।सबसे बड़ा लाभ बाजार का नहीं, सांसों का है। यूज्ड ईवी बाजार की असली उपलब्धि यही है कि हर इस्तेमाल किया गया इलेक्ट्रिक वाहन पेट्रोल और डीजल आधारित वाहनों पर निर्भरता को थोड़ा और कम करता है। जहरीली हवा और बढ़ते प्रदूषण से जूझते भारतीय शहरों में यह बदलाव किसी शोरगुल वाले अभियान से नहीं, बल्कि एक मौन हरित क्रांति के रूप में सामने आया है। इसकी ताकत नारों में नहीं, व्यवहार में है। हर पुरानी इलेक्ट्रिक कार या स्कूटर को मिला नया जीवन वातावरण में प्रदूषण घटाने और स्वच्छ भविष्य की ओर बढ़ाया गया एक ठोस कदम है।विकास का भविष्य नए संसाधन जुटाने में नहीं, पुराने संसाधनों के बेहतर उपयोग में है। यूज्ड ईवी बाजार इसी सोच का विस्तार है। किसी पुराने इलेक्ट्रिक वाहन का पुनः उपयोग केवल वाहन नहीं बचाता, बल्कि उसके निर्माण में लगी ऊर्जा और खनिज भी बचाता है। नई बैटरियों के उत्पादन में भारी संसाधन लगते हैं, जबकि मौजूदा बैटरी का उपयोग पर्यावरणीय दबाव घटाता है। यही परिपत्र अर्थव्यवस्था (सर्कुलर इकोनॉमी) का आधार है, जहाँ वस्तुएँ खत्म नहीं होतीं, नया उपयोग पाती हैं। इसलिए यूज्ड ईवी बाजार केवल सस्ता विकल्प नहीं, संसाधन संरक्षण का प्रभावी माध्यम भी है।हर उड़ान की परीक्षा उसकी ऊँचाई नहीं, स्थिरता होती है। यूज्ड ईवी बाजार के सामने यही चुनौती है। बढ़ती लोकप्रियता के बावजूद बैटरी की गुणवत्ता सबसे बड़ा प्रश्न बनी हुई है। हर खरीदार के मन में सवाल है कि बची हुई बैटरी कितने वर्षों तक भरोसेमंद रहेगी। चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का सीमित विस्तार, प्रशिक्षित सर्विस सेंटरों की कमी और बैटरियों के वैज्ञानिक पुनर्चक्रण (री-साइक्लिंग) का कमजोर ढाँचा इसकी रफ्तार रोक सकता है। इन कमियों का समाधान नहीं हुआ, तो आज का उत्साह कल अविश्वास में बदल सकता है। तकनीकी बदलाव की सफलता केवल बिक्री नहीं, मजबूत तंत्र से तय होती है।समाधान बिखरे प्रयासों में नहीं, साझा संकल्प में है। सरकार, वाहन निर्माता और वित्तीय संस्थानों को मिलकर आगे बढ़ना होगा। बैटरियों का स्पष्ट स्टैंडर्डाइजेशन, सेकंड लाइफ बैटरियों के सुरक्षित उपयोग की नीति, यूज्ड ईवी के लिए विशेष इंश्योरेंस, प्रमाणित बैटरी हेल्थ रिपोर्ट और व्यापक चार्जिंग नेटवर्क इस क्षेत्र की बुनियादी जरूरतें हैं। सरकार दूरदर्शी नीति बनाए, वाहन कंपनियाँ भरोसेमंद सेवाएँ दें और फाइनेंस कंपनियाँ आसान वित्त दें, तो यूज्ड ईवी बाजार केवल कारोबार नहीं, भारत की हरित अर्थव्यवस्था का आधार बन सकता है। टिकाऊ विकास तभी संभव है, जब नीति, तकनीक और वित्त एक दिशा में बढ़ें।हरित विकास तभी सार्थक है, जब वह आम आदमी की पहुँच में हो। यूज्ड ईवी बाजार ने यह संभव किया है। जो हरित तकनीक कभी सम्पन्न वर्ग तक सीमित थी, वह अब मध्यम वर्ग का विकल्प बन रही है। सीमित आय वाला परिवार कम कीमत में पहली इलेक्ट्रिक कार, स्कूटर या बाइक खरीदकर केवल ईंधन नहीं बचाता, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा में अपना योगदान देता है। यही लोकतांत्रिक हरित क्रांति है, जहाँ पर्यावरण संरक्षण विशेषाधिकार नहीं, जनभागीदारी बन जाता है। यूज्ड ईवी बाजार ने साबित किया है कि टिकाऊ विकास महँगा नहीं, समझदारी का विकल्प हो सकता है।

ताजमहल किसने बनाया ? एक फालतू की बहस

एल.एस. हरदेनिया

इस समय ताजमहल पर चर्चा फिर से होने लगी है। इस बात का फिर उल्लेख होने लगा है कि ताजमहल हिन्दुओं द्वारा बनाया गया भवन है। फिर इस बात के कोई ठोस प्रमाण नहीं हैं कि ताजमहल किसी हिन्दू द्वारा बनाया गया है। बस कुछ तत्वों की ज़िद है कि वे यह सिद्ध करें कि हमारे देश में जो भी बना है वह हिन्दू पूर्वजों द्वारा बनाया गया है।

वैसे इसमें कोई शक नहीं कि ताजमहल विश्व का अत्यधिक सुंदर भवन है। चूंकि वह हमारे देश में बना है और यहां की प्रतिभा द्वारा बना है, इसलिए हमारा है।

अन्य देशों का अपनी कलाकृतियों के प्रति अत्यधिक इज्जत और सम्मान का नजरिया रहता है। जैसे सोवियत संघ क्रांति के नेता लेनिन का था। रूसी क्रांति के बाद सोवियत संघ कहलाने लगा। क्रांति के बाद वहां संपन्न पार्टीजनों की बैठक में एक प्रस्ताव रखा गया। प्रस्ताव में कहा गया कि रूस में वहां के राजा की जो मूर्तियां बनी हुई हैं उन्हें नष्ट कर दिया जाए क्योंकि वे शोषण और अत्याचार का प्रतीक हैं। परंतु लेनिन ने ऐसा करने से मना कर दिया, उन्होंने कहा कि ये मूर्तियां राजा की मूर्तियां जरूर हैं पर वे हमारे देश की महान कलाकृति हैं। फिर हमारे देश में जो भी आता है वह ताजमहल की तारीफ करता है। जैसे कुछ वर्ष पहले अमरीकी राष्ट्रपति क्लिंटन हमारे यहां आए थे। उन्होंने ताजमहल देखा और कहा मेरी नज़रों में दुनिया दो हिस्सों में बंटी है। एक में वे रहते हैं जिन्होंने ताजमहल देखा और दूसरे में वे रहते हैं जिन्होंने ताजमहल नहीं देखा।

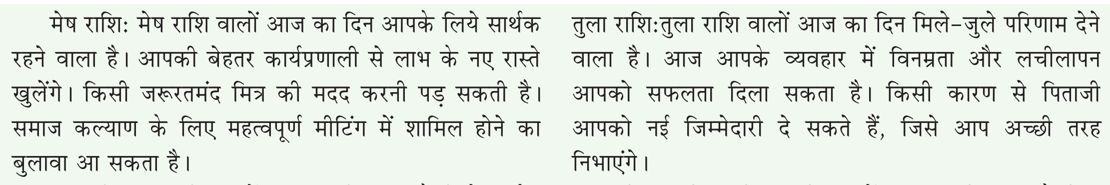

मेष राशि: मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिये सार्थक रहने वाला है। आपकी बेहतर कार्यप्रणाली से लाभ के नए रास्ते खुलेंगे। किसी जरूरतमंद मित्र की मदद करनी पड़ सकती है। समाज कल्याण के लिए महत्वपूर्ण मीटिंग में शामिल होने का बुलावा आ सकता है।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिये सार्थक रहने वाला है। परिवार का माहौल आपके लिए अच्छा होगा। समाज कल्याण के लिए महत्वपूर्ण मीटिंग में शामिल होने का बुलावा आ सकता है। आज ऑफिस के कार्यों में सहकर्मियों के साथ बातचीत या सलाह करने से आने वाले समय में लाभ होगा।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। शांत मन से कामकाज निपटाने की कोशिश करेंगे। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। युवाओं को अपने समय का उचित प्रबंधन करने की जरूरत है। पिछले काफी दिनों से रुके हुए काम आज पूरे होंगे। साथ ही आपका सामाजिक रुतबा बढ़ेगा।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए लकी होने वाला है। पदोन्नति के प्रबल योग बन रहे हैं। आपका व्यक्तित्व संतुलित और सकारात्मक रहेगा। आज रुकी हुई पेमेंट मिल सकती है, इससे आर्थिक स्थिति में राहत आएगी।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज किसी मित्र पर भरोसा रखना आपके कामों को मैनेज करने में मदद करेगा तथा मुश्किल काम भी आपको आसान लगेंगे। परिवार के साथ मनोरंजक यात्रा की योजना बन सकती है।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज ऑफिस में कामकाज ज्यादा रहेगा। ट्रांसफर या प्रमोशन के लिए बॉस से बात करेंगे, इसमें आपको सफलता मिलेगी। आज आप भविष्य के लिए कार्य योजनाएं बनाएंगे जिसका आने वाले दिनों में फायदा हो सकता है।

तुला राशि:तुला राशि वालों आज का दिन मिले-जुले परिणाम देने वाला है। आज आपके व्यवहार में विनम्रता और लचीलापन आपको सफलता दिला सकता है। किसी कारण से पिताजी आपको नई जिम्मेदारी दे सकते हैं, जिसे आप अच्छी तरह निभाएंगे।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आपकी काफी दिनों पुरानी निजी समस्या सुलझ जाने से बहुत सुकून मिलेगा। कार्य स्थल पर आपका प्रदर्शन अच्छा रहेगा।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज दिन भर सकारात्मक और अनुशासित दृष्टिकोण से आपको प्रसन्नता होगी। अपनी सूझबूझ से लिए गए फैसलों के आज अच्छे परिणाम मिलेंगे। आज परिवार के साथ व्यस्त रह सकते हैं।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज निजी जीवन में सकारात्मकता लाने की कोशिश करेंगे। आज आपकी ज्यादातर योजनाएं पूरी हो सकती हैं। इलेक्ट्रॉनिक सामान या डेयरी प्रोडक्ट्स के शॉपकीपर्स को आज बढ़िया मुनाफा होगा।

कुम्भ राशि: कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए नई उपलब्धियां लेकर आने वाला है। विज्ञान जगत से जुड़े लोगों के योगदान को सराहना मिलेगी और उन्हें सम्मानित भी किया जाएगा। अपनी इनकम बढ़ाने के लिए आप कुछ नए काम शुरू करने की कोशिश कर सकते हैं।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। धार्मिक कार्यों के प्रति आपका रुझान बढ़ेगा। आज आपको सकारात्मक सोच से कार्यों को पूरा करने की कोशिश करनी चाहिए। घर के जरूरी काम आज पूरा करने में जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा। आपको कुछ नई उपलब्धियां हासिल होंगी।

कृषि यांत्रिकीकरण पर सब-मिशनः कृषि मशीनीकरण के माध्यम से उत्पादकता में वृद्धि

कृषि यांत्रिकीकरण पर सब-मिशन (एसएमएएम) के माध्यम से पूरे देश में कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों, महिला किसानों तथा सामाजिक रूप से वंचित वर्गों की आधुनिक कृषि मशीनों तक पहुंच सुनिश्चित हो रही है। कृषि मशीनीकरण में क्षेत्रीय असमानताओं को दूर करने के लिए विशेषकर पूर्वोत्तर राज्यों के साथ उन राज्यों एवं क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जहां कृषि यंत्रों का उपयोग अपेक्षाकृत कम है। योजना के शुरू होने से अब तक 9,404.47 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता के माध्यम से देशभर के किसानों को 21.61 लाख कृषि मशीनें उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। इसके अलावा, 52.5 करोड़ रुपये की सहायता से 40,918 हेक्टेयर क्षेत्र में 40,928 से अधिक ड्रोन प्रदर्शन आयोजित किए गए हैं। इन प्रदर्शनों ने किसानों के बीच आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकियों के उपयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कृषि यांत्रिकीकरण के माध्यम से खेती को सुदृढ़ बनाना

भारत में कृषि उत्पादकता बढ़ाने में मशीनीकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके अंतर्गत फसल उत्पादन के पूरे चक्र में विभिन्न कृषि कार्यों के लिए मशीनों, उपकरणों और आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाता है। इनमें भूमि की तैयारी, बुआई, सिंचाई, फसल संरक्षण, कटाई एवं कटाई के बाद के प्रबंधन जैसे सभी प्रमुख कार्य शामिल हैं। कृषि मशीनीकरण से मानव और पशु श्रम पर निर्भरता कम होती है, जिससे कृषि कार्य समय पर, अधिक दक्षता व सटीकता के साथ पूरे किए जा सकते हैं। इसके परिणामस्वरूप उत्पादन लागत घटती है, श्रम उत्पादकता बढ़ती है, कृषि कार्यों की गुणवत्ता में सुधार होता है तथा किसानों की आय और खेती की समग्र उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलती है।

भारत में कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा देने के

उद्देश्य से वर्ष 2014-15 में कृषि यांत्रिकीकरण पर सब-मिशन (एसएमएएम) शुरू किया गया। यह राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के तहत केंद्र प्रायोजित एक प्रमुख पहल है। इसका उद्देश्य आधुनिक कृषि मशीनों एवं उपकरणों का लाभ उन किसानों और क्षेत्रों तक पहुंचाना है, जहां कृषि मशीनीकरण का स्तर अभी भी अपेक्षाकृत कम है। इस योजना का विशेष ध्यान छोटे और सीमांत किसानों, महिला किसानों, अनुसूचित जाति (एससी) एवं अनुसूचित जनजाति (एसटी) के किसानों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) तथा ग्रामीण उद्यमियों पर है।

यह योजना कस्टम हायरिंग सेंटर (सीएचसी) की स्थापना को बढ़ावा देती है। ये ऐसे केंद्र हैं, जहां कृषि मशीनें, औजार और उपकरण उपलब्ध होते हैं, जिन्हें किसान किराए पर ले सकते हैं। यह योजना उच्च-प्रौद्योगिकी और महंगे कृषि उपकरणों के लिए हब स्थापित करने तथा कृषि मशीनरी के वितरण में भी सहायता प्रदान करती है। इसके तहत प्रदर्शन और क्षमता निर्माण संबंधी पहलों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाई जाती है। उन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जहां कृषि मशीनीकरण का स्तर और कृषि शक्ति अपेक्षाकृत कम है। साथ ही, कस्टम हायरिंग सेंटरों के माध्यम से सस्ती किराया सेवाएं उपलब्ध कराकर छोटे जोत आकार और अधिक लागत जैसी चुनौतियों का समाधान किया जाता है। इसके अलावा, कृषि मशीनीकरण पर सब-मिशन के तहत कृषि मशीनरी के प्रदर्शन परीक्षण और प्रमाणन को भी सहायता प्रदान की जाती है। इससे जुड़े हितधारकों के बीच इनका उपयोग बढ़ाने के लिए सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) गतिविधियां भी संचालित की जाती हैं।

वर्ष 2007 में शुरू की गई राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) एक प्रमुख योजना है, जिसका उद्देश्य राज्यों को कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में सार्वजनिक निवेश बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना है। यह योजना राज्यों को स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप परियोजनाओं की योजना बनाने और उन्हें लागू करने की पर्याप्त स्वतंत्रता और अधिकार प्रदान करती है। इसके अंतर्गत फसल उत्पादन, बुनियादी ढांचे का विकास, कृषि मशीनीकरण तथा मूल्य संवर्धन जैसी विभिन्न गतिविधियां शामिल हैं। वर्ष 2017-18 में इस योजना का पुनर्गठन कर इसे आरकेवीवाई-रफ्तार (कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के कायाकल्प के लिए लाभकारी दृष्टिकोण) के रूप में लागू किया गया, जिसमें फसल-पूर्व और फसलोपरांत बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया गया। खेती की उत्पादकता बढ़ाने के लिए एसएमएएम के रणनीतिक स्तंभकृषि यांत्रिकीकरण पर सब-मिशन (एसएमएएम) को आधुनिक कृषि उपकरणों तक पहुंच बेहतर बनाकर, श्रम की आवश्यकता कम करके और खेती की उत्पादकता बढ़ाकर समावेशी तथा कुशल कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया है।प्रशिक्षण, परीक्षण, प्रदर्शन व फसल कटाई के बाद के कामों में मशीनीकरण को बढ़ावा देना: आधुनिक कृषि तकनीकों तक पहुंच बढ़ाकर कृषि उत्पादकता और कार्यकुशलता में वृद्धि करता है। साथ ही, कृषि मशीनीकरण को प्रोत्साहित करते हुए फसल कटाई के बाद प्रसंस्करण, भंडारण, मूल्य संवर्धन तथा फसल अवशेष प्रबंधन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करता है।

सुप्रीम कोर्ट में हंगामा करने वाले याचिकाकर्ता पर नहीं होगी कार्रवाई, CJI ने दिए निर्देश

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने अदालत में हंगामा करने वाले एक याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का फैसला लिया है। संबंधित व्यक्ति ने सुनवाई के दौरान अदालत में कागज फेंके और अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था। इसके बावजूद सुप्रीम कोर्ट ने उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने या अन्य कानूनी कार्रवाई से परहेज किया है।

यह घटना शुक्रवार को जस्टिस के.वी. विश्वनाथन और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ के समक्ष हुई। उस समय सीजेआई सूर्यकांत कोर्टरूम में मौजूद नहीं थे। याचिकाकर्ता बिना किसी वकील के स्वयं अपना पक्ष रख रहा था।

सुनवाई शुरू होते ही याचिकाकर्ता ने कहा, योर ऑनर, मैं आपको लखनऊ के एसीपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश देता हूं। इस पर जस्टिस के.वी. विश्वनाथन ने आश्चर्य जताते हुए पूछा, क्या आप मुझे आदेश दे रहे हैं?

इसके बाद याचिकाकर्ता ने कहा, मेरी तरफ से बस इतना ही, सब कुछ रिकॉर्ड में है। इतना कहकर उसने अपनी केस फाइल के कागज हवा में उछाल दिए और अभद्र भाषा का प्रयोग करने लगा। उसके इस व्यवहार से कुछ देर के लिए कोर्टरूम में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए उसे हिरासत में लिया और कोर्टरूम से बाहर ले गए। घटना की जानकारी सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार ने मुख्य न्यायाधीश को

दी। सामान्य प्रक्रिया के तहत याचिकाकर्ता के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जा सकती थी, लेकिन सीजेआई सूर्यकांत ने इस मामले में आगे कोई कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट का मानना है कि कई बार ऐसे कृत्य केवल सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के उद्देश्य से किए जाते हैं। ऐसे मामलों में कानूनी कार्रवाई करने से संबंधित व्यक्ति को अनावश्यक प्रचार मिल सकता है। इसी कारण अदालत ने इस मामले को आगे न बढ़ाने का निर्णय लिया।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच ऐतिहासिक डील, 2030 तक 35,000 करोड़ के व्यापार का लक्ष्य; इन सेक्टर्स की चमकेगी किस्मत

वेलिंगटन ,(आरएनएस) ।भारत और न्यूजीलैंड के द्विपक्षीय रिश्तों में एक नए और सुनहरे अध्याय की शुरुआत हुई है। करीब 40 सालों के लंबे अंतराल के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली आधिकारिक न्यूजीलैंड यात्रा है, जिसने दोनों देशों के संबंधों को 'स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप' (रणनीतिक साझेदारी) की नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के बीच हुई इस ऐतिहासिक बैठक में इंडिया-न्यूजीलैंड स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप: रोडमैप 2030 को हरी झंडी दे दी गई है। इस रोडमैप के जरिए आने वाले सालों में व्यापार, कृषि, सुरक्षा, इनोवेशन और पर्यटन जैसे अहम मोर्चों पर मिलकर जबरदस्त काम किया जाएगा ।दोनों देशों के शीर्ष नेताओं ने आर्थिक सहयोग को नई रफ्तार देने के लिए एक बहुत बड़ा लक्ष्य निर्धारित किया है। भारत और न्यूजीलैंड ने तय किया है कि साल 2030 तक दोनों देशों के बीच वस्तुओं और सेवाओं का कुल व्यापार दोगुना करके 7 अरब न्यूजीलैंड डॉलर यानी करीब 35,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाया जाएगा। इसके साथ ही दोनों देशों ने फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) को भी जल्द से जल्द लागू करने पर पूर्ण सहमति जताई है। इस अहम समझौते से आयात-निर्यात की राह में आने वाली तमाम बाधाएं दूर होंगी और भारतीय कारोबारियों को न्यूजीलैंड के बड़े बाजार तक सीधी और बेहतर पहुंच मिलेगी।

दर्दनाक सड़क हादसा : तेज रफ्तार कार हाईवे पर खड़े ट्रक से टकराई, 4 की मौके पर मौत-4 गंभीर घायल

अहमदाबाद ,(आरएनएस)। गुजरात के जूनागढ़ जिले में मजेवड़ी गांव के पास फोर-लेन हाईवे पर खड़े एक ट्रक से तेज रफ्तार अर्टिगा कार की भीषण टक्कर हो गई। हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं कार में सवार एक बच्चा चमत्कारिक रूप से सुरक्षित बच गया।

जानकारी के अनुसार, बनासकांठा जिले का एक परिवार अर्टिगा कार से सोमनाथ अस्थि विसर्जन के लिए जा रहा था। जब उनकी कार मजेवड़ी गांव के पास पहुंची, तभी हाईवे पर खराब होकर खड़े एक ट्रक से जा टकराई। बताया जा रहा है कि चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद कार तेज रफ्तार में ट्रक के पिछले हिस्से में घुस गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में चार लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं चार अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनमें दो की हालत नाजुक बताई जा रही है। दोनों का आईसीयू में इलाज चल रहा है। इस भीषण दुर्घटना के बावजूद कार में सवार एक बच्चा पूरी तरह सुरक्षित बच गया।

हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए और राहत कार्य शुरू किया। इसके बाद पुलिस तथा 108 एम्बुलेंस की टीम भी मौके पर पहुंची। रेस्क्यू टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला और घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा।

पुलिस ने मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं और मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद बनासकांठा जिले और आसपास के क्षेत्र में शोक का माहौल है।

भारतीय नौसेना की बढ़ी ताकत, मिला नया ताकतवर युद्धपोत 'महेंद्रगिरि', रक्षा मंत्री बोले-यह देश की सुरक्षा में मील का पत्थर

नई दिल्ली/विशाखापत्तनम,,(आरएनएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को विशाखापत्तनम स्थित नौसेना डॉकयार्ड में भारतीय नौसेना के अत्याधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट आईएनएस महेंद्रगिरि को औपचारिक रूप से नौसेना में शामिल किया। यह प्रोजेक्ट-17ए के तहत निर्मित छठा स्वदेशी युद्धपोत है, जिसे भारतीय नौसेना के ईस्टर्न फ्लीट में शामिल किया गया है ।इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने कहा कि आंध्र प्रदेश देश के रक्षा और एयरोस्पेस निर्माण क्षेत्र में एक नई शक्ति के रूप में उभर रहा है। उन्होंने बताया कि आईएनएस महेंद्रगिरि हवा, समुद्र और पानी के भीतर से आने वाले खतरों का एक साथ मुकाबला करने में सक्षम है। नौसेना डॉकयार्ड में आयोजित समारोह में वरिष्ठ नौसेना अधिकारियों और अन्य गणमान्य लोगों की मौजूदगी में राजनाथ सिंह ने इसे भारतीय रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और

स्वदेशी युद्धपोत निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने कहा कि हाल के वैश्विक घटनाक्रमों ने यह साबित कर दिया है कि किसी भी देश के लिए एक सक्षम और त्वरित प्रतिक्रिया देने वाली नौसेना कितनी आवश्यक होती है। उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद भारतीय नौसेना ने 'ऑपरेशन ऊर्जा सुरक्षा' के तहत 9,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का आवश्यक सामान लेकर जा रहे 18 व्यापारिक जहाजों को सुरक्षित मार्ग प्रदान किया।

उन्होंने कहा कि इससे स्पष्ट होता है कि भारतीय नौसेना केवल एक मजबूत सैन्य शक्ति ही नहीं, बल्कि देश के आर्थिक हितों की भी प्रभावी संरक्षक है ।आईएनएस महेंद्रगिरि को भारतीय नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने डिजाइन किया है, जबकि इसका निर्माण मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (मुंबई) ने किया है। यह भारत की सबसे आधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट श्रृंखला का हिस्सा है, जिसमें दुश्मन के रडार से बचने की उन्नत तकनीक, अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणाली और उच्च स्तर का ऑटोमेशन शामिल है। यह युद्धपोत समुद्र में विभिन्न प्रकार के सैन्य अभियानों को अंजाम देने में सक्षम है।

मसूरी में बारिश से जन जीवन प्रभावित ,लाइट जलाकर वाहन चलाने पड़े

देहरादून,(आरएनएस)। पहाड़ों की रानी मसूरी में बारिश से जनजीवन प्रभावित रहा। रुक-रुक कर हुई बारिश और घने कोहरे के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई। विजिबिलिटी कम होने से वाहन चालकों को दिन में भी लाइट जलाकर वाहन चलाने पड़े ।शनिवार को सुबह के समय खिली हल्की धूप के बाद दोपहर 12 बजे के बाद बारिश शुरू हो गई। रुक-रुक कर हुई बारिश और घने कोहरे के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई ।अंधेरा सा छा गया जिसके चलते वाहनों की लाइट जलाकर चलानी पड़ी। अपराह्न 3ः00 करीब भारी बारिश होने से माल रोड पर जल भराव की स्थिति पैदा हो गई जिससे पैदल चलने वालों के साथ ही दुपहिया वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। नगर पालिका की अधिकांश नालियां भी चोक होने के कारण गंदगी व पानी सड़कों पर बहने लगा। इससे पैदल चलने वालों को भारी परेशानीयो का सामना करना पड़ा। लगातार बारिश के चलते बाजारों में चहल-पहल कम रही। इससे लोगों के दैनिक कार्य भी प्रभावित हुए।

डॉक्टर की बड़ी लापरवाही, होंठ में टांके लगाने के लिए बच्चे को दिया एनेस्थीसिया; कुछ ही घंटे में मौत

नई दिल्ली,(आरएनएस)। केरल के कन्नूर जिले में एक निजी अस्पताल में एनेस्थीसिया (बेहोशी की दवा) दिए जाने के बाद 18 महीने के एक बच्चे की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने संबंधित डॉक्टर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है ।जानकारी के अनुसार, कन्नूर जिले के एरामम-कुट्टूर निवासी टी. सूरज और विजीशा के इकलौते बेटे देवांश शौर्य को 5 जुलाई को घर के बाहर खेलते समय गिरने से होंठ पर गहरी चोट लग गई थी। प्राथमिक उपचार के बाद उसे आगे इलाज के लिए पयन्नूर स्थित बेबी मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में बच्चे के होंठ पर टांके लगाने के लिए उसे एनेस्थीसिया दिया गया। परिजनों का आरोप है कि दवा दिए जाने के बाद बच्चा दोबारा होश में नहीं आया। हालत गंभीर होने पर उसे कन्नूर स्थित बेबी मेमोरियल अस्पताल रेफर किया गया, जहां शुक्रवार रात करीब नौ बजे उसकी मौत हो गई ।परिवार की शिकायत के बाद पुलिस ने इलाज करने वाली डॉक्टर अंजलि पोडुवल के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 125 के तहत मामला दर्ज किया है। यह धारा ऐसे कृत्य से संबंधित है, जिससे किसी व्यक्ति के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरा उत्पन्न हो सकता है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है ।वहीं, बेबी मेमोरियल अस्पताल ने मेडिकल लापरवाही के सभी आरोपों को खारिज किया है।

शरद पवार ने की महाराष्ट्र सरकार की किसान कर्जमाफी योजना में बदलाव की तारीफ

मुंबई,(ए.)। एनसीपी(एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने महाराष्ट्र सरकार की किसान कर्जमाफी योजना में हुए बदलाव की तारीफ की। उन्होंने कहा कि सरकार के इस फैसले से लाखों किसानों को फायदा मिलेगा। पवार ने सीएम फडणवीस को धन्यवाद भी कहा। शरद पवार की पार्टी एनसीपी के एनडीए में शामिल होने या कांग्रेस में विलय की अटकलें भी चल रही हैं। हालांकि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने इन्हें अफवाह बताया है। सूत्रों के मुताबिक शरद पवार की पार्टी के नेता एनडीए में शामिल के पक्ष में नहीं हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इन अटकलों को उस समय और बल मिला, जब शरद पवार ने महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद पर 8 जुलाई को मुंबई में विधानभवन में बैठक हुई थी। इसके बाद पवार ने डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के कमरे में अपनी पार्टी के विधायकों से मुलाकात की। शरद पवार ने कहा कि राज्य सरकार ने प्राकृतिक आपदाओं और कृषि उपज के दामों में गिरावट को देखते हुए कर्जमाफी योजना की घोषणा की थी। हालांकि, योजना में शुरू में कुछ ऐसी शर्तें रखी गई थीं, जिनसे बड़ी संख्या में किसानों को लाभ नहीं मिल पाता ।उन्होंने कहा कि पहले 2019 की महात्मा ज्योतिराव फुले किसान कर्जमाफी योजना का लाभ लेने वाले किसानों के लिए अधिकतम 50 हजार रुपए तक की ही राहत का प्रावधान था।

समंदर में जिंदगी की जंग जीते 15 मछुआरे

दिन लापता रहने के बाद बाघेरचर द्वीप पर मिले सुरक्षित

पूर्व मेदिनीपुर,1(आरएनएस)। जिले के शंकरपुर से ट्रॉलर सहित लापता हुए 15 मछुआरों का शनिवार को दक्षिण 24 परगना के काकद्वीप क्षेत्र स्थित बाघेरचर द्वीप के निकट पता चल गया। सभी मछुआरे सुरक्षित बताए गए हैं।

जानकारी के अनुसार, छह जुलाई को मछली पकड़ने के लिए समुद्र में गए मछुआरों से संपर्क टूट गया था, जिसके बाद उनके परिजनों और स्थानीय मछुआरा संगठनों में चिंता बढ़ गई थी। शनिवार सुबह लगभग सात बजे उनके ठिकाने की जानकारी मिली। शंकरपुर फिशरमैन एंड फिश ट्रेडर्स एसोसिएशन के सचिव स्वदेश रंजन नायक ने बताया कि ट्रॉलर के इंजन में पानी भर जाने के कारण वे समुद्र में फंस गए थे। वर्तमान में सभी मछुआरे काकद्वीप के बाघेरचर क्षेत्र से लगभग दो किलोमीटर दूर हैं। उन्हें वापस लाने के लिए शंकरपुर से एक लांच भेजी गई है। इसी बीच बंगाल की खाड़ी में एक अन्य ट्रॉलर दुर्घटना का भी समाचार है। बक्खाली तट से लगभग 12 से 14 किलोमीटर दूर मछली पकड़ने गई एक ट्रॉलर का पाटातन फट जाने से उसमें पानी भर गया और वह डूब गई। हालांकि, उसमें सवार सभी 12 मछुआरों को आसपास मौजूद अन्य ट्रॉलरों ने सुरक्षित बचा लिया।

उल्लेखनीय है कि प्रतिकूल मौसम की चेतावनी के कारण दो से सात जुलाई तक गहरे समुद्र में मछली पकड़ने पर प्रतिबंध लगाया गया था। प्रतिबंध हटने के बाद भी समुद्र की उग्र स्थिति के कारण अधिकांश मछुआरे समुद्र में नहीं जा पा रहे हैं, जिससे मौसम के प्रारंभ में ही उन्हें आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ रहा है।

केंद्र सरकार ने लिया बड़ा फैसला, कैंसर, शुगर और बीपी समेत 39 दवाओं के दाम किए फिक्स

नई दिल्ली(आरएनएस)। केंद्र सरकार ने आम लोगों को स्वास्थ्य के मोर्चे पर एक बहुत बड़ी राहत दी है। नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (NPPA) ने एक बड़ा कदम उठाते हुए 39 नई दवाओं की अधिकतम खुदरा कीमत (MRP) तय कर दी है। सरकार का यह नया आदेश 'ड्रग्स प्राइस कंट्रोल ऑर्डर 2013' के तहत जारी किया गया है। इसके बाद अब दवा कंपनियां इन जरूरी और जीवन रक्षक दवाओं को तय की गई अधिकतम कीमत से एक रुपया भी ज्यादा दाम पर नहीं बेच पाएंगी।

कैंसर, डायबिटीज और दिल की बीमारियां होंगी सस्ती

सरकार के इस फैसले का सबसे बड़ा फायदा उन मरीजों को मिलेगा जो लंबे समय से गंभीर बीमारियों का इलाज करवा रहे हैं। 8 जुलाई को जारी इस आधिकारिक नोटिफिकेशन के दायरे में डायबिटीज (शुगर), हाई ब्लड प्रेशर, दिल की बीमारी, गंभीर इंफेक्शन, आंखों की बीमारी, सांस की तकलीफ (अस्थमा) और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों में इस्तेमाल होने वाली दवाएं शामिल हैं। लिस्ट के अनुसार, टेनेक्टेप्लेस इंजेक्शन, विटामिन डी3 का ओरल सॉल्यूशन, इमैटिनिब ओरल सॉल्यूशन, एम्पाग्लिफ्लोजिन से जुड़ी कॉम्बिनेशन दवाएं, टेल्मिसार्टन कॉम्बिनेशन, एस्पिरिन और एटोरवास्टेटिन वाले कैप्सूल तथा क्लोपिडोग्रेल कॉम्बिनेशन दवाओं के दाम अब पूरी तरह नियंत्रित रहेंगे।

मनमाने ढंग से GST लगाने पर भी लगी रोक

एनपीपीए के इस कड़े आदेश के मुताबिक, सभी दवा कंपनियों के लिए यह अनिवार्य कर दिया गया है कि वे तुरंत अपने डीलरों और राज्यों के ड्रग रेगुलेटर को इन नई कीमतों की आधिकारिक जानकारी दें। इसके साथ ही दुकानों, मेडिकल स्टोर्स और अस्पतालों तक अपडेटेड प्राइस लिस्ट पहुंचानी जरूरी होगी ताकि मरीजों को सीधा लाभ मिल सके। सरकार ने यह भी साफ कर दिया है कि कंपनियां दवा की एमआरपी पर जीएसटी (GST) सिर्फ तभी जोड़ सकती हैं, जब वह टैक्स सरकार को असल में चुकाया गया हो। मनमाने ढंग से एक्स्ट्रा टैक्स वसूलने की छूट बिल्कुल नहीं दी जाएगी।

ज्यादा पैसे वसूले तो ब्याज समेत वापस लेगी सरकार

एनपीपीए ने मुनाफाखोरी करने वाली कंपनियों को सख्त लहजे में चेतावनी दी है। आदेश में कहा गया है कि यदि कोई भी दवा कंपनी या मेडिकल स्टोर तय कीमत से ज्यादा दाम वसूलते हुए पकड़ा जाता है, तो उसे वह अतिरिक्त वसूली गई पूरी रकम भारी-भरकम ब्याज के साथ सरकार को वापस करनी होगी। यह दंडात्मक कार्रवाई 'ड्रग्स प्राइस कंट्रोल ऑर्डर' और 'एसेंशियल कमोडिटीज एक्ट' (आवश्यक वस्तु अधिनियम) के तहत की जाएगी। सरकार का मुख्य मकसद यह सुनिश्चित करना है कि देश के आम और गरीब लोगों को जरूरी दवाएं बेहद उचित दाम पर मिल सकें और कोई भी मरीजों की मजबूरी का फायदा न उठा सके।

हवा में 3 मिनट तक अटका रहा CM सम्राट चौधरी का हेलीकॉप्टर, नीचे जान बचाने के लिए भागने लगे लोग

हाजीपुर (ए.)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के दौरे के दौरान एक बड़ा और चौंकाने वाला वाकया सामने आया है। हाजीपुर में सीएम का हेलिकॉप्टर उड़ान भरने के तुरंत बाद आसमान में एक ही जगह पर करीब तीन मिनट तक स्थिर हो गया। हवा में हेलिकॉप्टर को इस तरह अटका देखकर नीचे खड़े लोगों की सांसें अटक गईं और वहां भारी अफरातफरी मच गई। किसी बड़ी अनहोनी की आशंका से लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे, जिसके बाद पुलिस और सुरक्षाबलों को तुरंत मोर्चा संभालना पड़ा ।जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एक अहम कार्यक्रम में शामिल होने के लिए हाजीपुर पहुंचे थे। उनका हेलिकॉप्टर अक्षयवट राय स्टेडियम स्थित हेलीपैड पर उतरा था। यहां उन्होंने हाजीपुर रजिस्ट्री कार्यालय का निरीक्षण किया और राज्य में पूर्णतया ऑनलाइन जमीन निबंधन (पेपरलेस रजिस्ट्री) की अहम प्रक्रिया की शुरुआत की। अपना कार्यक्रम सफलतापूर्वक खत्म करने के बाद दोपहर करीब तीन बजे सीएम सम्राट चौधरी वापस लौटने के लिए अपने हेलिकॉप्टर में सवार हुए। जैसे ही उनके हेलिकॉप्टर ने उड़ान भरी, वह स्टेडियम के ठीक ऊपर हवा में एक ही जगह पर रुक गया और होवर (मंडराने) करने लगा।

हेलिकॉप्टर रुकते ही मची भगदड़, SPG ने संभाला मोर्चा

सीएम के हेलिकॉप्टर को आसमान में एक ही जगह फंसा देखकर नीचे मौजूद एनडीए कार्यकर्ताओं और आम जनता में भयंकर दहशत फैल गई। लोगों को लगा कि हेलिकॉप्टर में कोई बड़ी तकनीकी खराबी आ गई है या क्रैश होने वाला है, जिसके डर से स्टेडियम में भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई। हालात बेकाबू होते देख वहां मौजूद एसडीपीओ और एसपीजी (SPG) के जवानों ने तुरंत कमान संभाली। सुरक्षा कर्मियों ने सूझबूझ दिखाते हुए भीड़ को व्यवस्थित तरीके से वहां से सुरक्षित बाहर निकाला। कुछ देर हवा में मंडराने के बाद जब हेलिकॉप्टर सुरक्षित आगे बढ़ गया, तब जाकर नीचे खड़े लोगों और प्रशासन ने राहत की सांस ली।

आखिर हवा में क्यों रोक दिया गया था हेलिकॉप्टर?

सीएम के हेलिकॉप्टर के इतनी देर तक हवा में एक ही जगह स्थिर रहने को लेकर कोई आधिकारिक या पुख्ता जानकारी सामने नहीं आई है कि ऐसा किस वजह से हुआ। हालांकि, विमानन क्षेत्र के तकनीकी जानकारों का कहना है कि यह कोई गड़बड़ी या घबराने जैसी बात नहीं है। दरअसल, टेकऑफ के बाद कई बार पायलट इंजन की पावर, प्रेशर, वजन और हवा की गति व दिशा आदि की ठीक से जांच करने के लिए हेलिकॉप्टर को कुछ देर के लिए हवा में स्थिर (होवर) रखते हैं। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री के पायलट ने भी उड़ान से पहले मौसम और अन्य तकनीकी पहलुओं की बारीकी से जांच करने के लिए ही हेलिकॉप्टर को हवा में रोका था।

हाई कोर्ट में जब IAS अफसर को मांगनी पड़ी माफी, फिर भी जज ने बैरंग लौटाया

कोच्चि (आरएनएस)। केरल हाई कोर्ट में एक बेहद दिलचस्प मामला सामने आया है, जहां एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी को अदालत

में पेश होकर बिना शर्त माफी मांगनी पड़ी। केरल के काजू विकास विभाग के प्रभारी सचिव आईएएस के बीजू ने कोर्ट की अवमानना मामले में अपनी गलती तो मान ली, लेकिन जज साहब उनकी इस माफी से जरा भी संतुष्ट नजर नहीं आए। हाई कोर्ट ने उनके माफीनामे को खारिज करते हुए उन्हें इसे दोबारा और सुधार के साथ लिखकर पेश करने का सख्त निर्देश दिया है। अब इस हाई-प्रोफाइल मामले की अगली सुनवाई 15 जुलाई को तय की गई है ।जस्टिस ए बदरुद्दीन कडाकम्पल्ली मनोज की ओर से दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई कर रहे थे, जिसमें आईएएस अधिकारी के बीजू को खुद अदालत में पेश होना पड़ा। अपने बचाव में उन्होंने कहा कि उन्हें अपने बयान पर गहरा अफसोस है और उनकी भाषा से ऐसा लग सकता है कि माननीय कोर्ट के अधिकारों को प्रभावित करने वाला कोई बयान दिया गया हो। बीजू ने अपने उस विवादित आदेश की हर बात को वापस लेने की बात कही और बिना किसी शर्त के माफी मांगी। उन्होंने अदालत में सफाई देते हुए कहा कि उनकी मंशा कभी भी न्यायिक समझ पर सवाल उठाने की नहीं थी, लेकिन भाषा के चयन में उनसे चूक हो गई है ।आईएएस अधिकारी की दलीलों और माफी के बावजूद हाई कोर्ट का रुख काफी सख्त रहा। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सरकारी अधिकारियों को पूरी जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए और अपनी किसी भी व्यक्तिगत गलती को छिपाने के लिए सरकार को ढाल नहीं बनाना चाहिए। हाई कोर्ट ने निर्देश दिया कि आईएएस के बीजू को सुधार के साथ एक नया हलफनामा पेश करना होगा।

अमेरिका ने ईरान को 24 घंटे में होर्मुज खोलने को कहा, ट्रंप बोले-1,000 मिसाइलें तैयार

वाशिंगटन,(आरएनएस)। अमेरिका ने ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला रखने और वाणिज्यिक जहाजों पर हमले रोकने के लिए 24 घंटे का समय दिया है। अमेरिका ने चेतावनी दी कि ऐसा करने में विफल रहने पर गंभीर परिणाम होंगे और अगर कूटनीति विफल होती है, तो आपातकालीन योजनाएं पहले से तैयार हैं। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान उनकी हत्या की कोशिश करता है, तो हजारों मिसाइलें दागे जाने के लिए तैयार हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला रखने और जहाजों पर हमले रोकने के लिए सार्वजनिक रूप से प्रतिबद्ध होने के लिए 24 घंटे का समय दिया है। रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से कहा गया है, संदेश सीधे तौर पर और क्षेत्रीय मध्यस्थों के माध्यम से पहुंचाया गया है। एक अधिकारी ने चेतावनी देते हुए कहा, अगर कल तक उनका रुख यही नहीं रहा, तो उनके लिए वह दिन अच्छा नहीं होगा।

रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप प्रशासन चाहता है कि ईरान सार्वजनिक रूप से यह घोषणा करे कि होर्मुज जलडमरूमध्य जहाजों के लिए खुला रहेगा और जहाजों पर हमले बंद करने का वादा करे। एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से कहा गया है, हम चाहते हैं कि वे सार्वजनिक रूप से कहें कि वे जहाजों पर गोलीबारी करना बंद कर देंगे और स्पष्ट रूप से, या कम से कम अप्रत्यक्ष रूप से, यह स्वीकार करें कि उन्होंने गलती की है।

ट्रंप ने कहा, 1000 मिसाइलें तैयार हैं और ईरान की ओर लक्षित हैं। अगर ईरानी सरकार अमेरिका के राष्ट्रपति की हत्या करने या हत्या का प्रयास करने की अपनी धमकी पर अमल करती है, तो तुरंत हजारों और मिसाइलें दागी जाएंगी। आदेश पहले ही दिए जा चुके हैं और अमेरिकी सेना एक वर्ष की अवधि के लिए ईरान के सभी क्षेत्रों को पूरी तरह से नष्ट करने के लिए तैयार, इच्छुक और सक्षम है।

रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी अधिकारियों ने निजी तौर पर स्वीकार किया कि उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर हमला कर 'गलती की' और बातचीत जारी रखने की अपनी इच्छा व्यक्त की। ईरानी अधिकारियों ने ट्रंप के सलाहकारों को निजी तौर पर बताया कि ये हमले एक गलती थे और इन्हें कट्टरपंथी गुट के एक 'भटके हुए' समूह ने अंजाम दिया था, जो बातचीत को पटरी से उतारने की कोशिश कर रहा था।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, प्रतिबद्धताओं के किसी भी उल्लंघन का 'पारस्परिक कार्रवाई' से जवाब दिया जाएगा।

ईरान के शीर्ष वार्ताकार मोहम्मद बगेर गालिबाफ ने कहा, युद्ध खत्म करना देशों की प्राथमिकता है, लेकिन यह समझना चाहिए कि ईरान के आत्मसमर्पण से यह टकराव कभी खत्म नहीं होगा। जब भी अमेरिकी समझौते का उल्लंघन करेंगे, हम अपनी रक्षा के लिए तैयार हैं; हम उनके खिलाफ मजबूती से खड़े रहेंगे और ईरानी जनता के अधिकारों की रक्षा करेंगे।

बातचीत में वेंस को साफतौर पर बता दिया था हमें अमेरिका पर जरा भी भरोसा नहीं

– ईरानी स्पीकर गालिबाफ की दो-टूक, अमेरिका को जवाब देने के लिए हम पूरी तरह तैयार

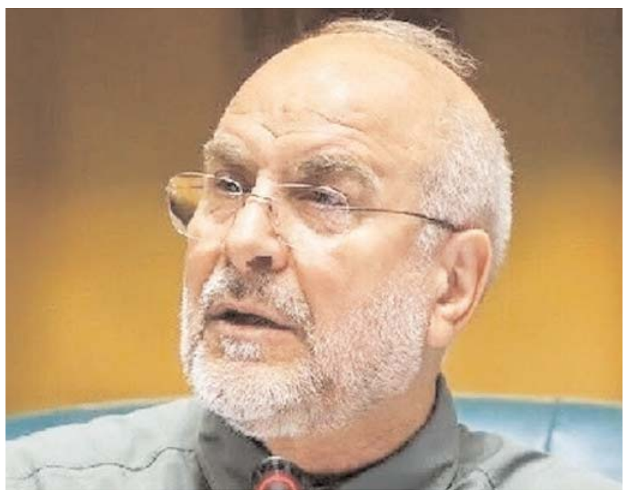

तेहरान,(ए.)। ईरान ने कहा है कि अमेरिका का बातचीत के दौरान हमले करने का पुराना इतिहास है। ऐसे में उनको अमेरिका के किसी वादे पर भरोसा नहीं है और वह किसी भी संभावित हमले का जवाब देने के लिए तैयारी हैं। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघर गालिबाफ का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका-ईरान के एक-दूसरे पर हमलों से पश्चिम एशिया में एक बार फिर युद्ध का खतरा मंडरा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गालिबाफ ने कहा है कि अगर अमेरिका पिछले महीने दोनों देशों के बीच हुए समझौते को तोड़ता है तो फिर ईरान भी अपने बचाव के लिए पूरी तरह तैयार है। इंडोनेशिया की पीपल्स कंसल्टेटिव असेंबली के स्पीकर अहमद मुजानी के साथ अपनी बैठक में गालिबाफ ने कहा कि ईरान को अमेरिका पर जरा भी भरोसा नहीं है। उन्होंने कहा कि बातचीत के दौरान मैंने अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को साफतौर पर बता दिया था कि हमें आप पर जरा भी भरोसा नहीं है। मेरी नजर में सिर्फ वही लोग अमेरिका के साथ बातचीत कर सकते हैं जो युद्ध के लिए तैयार हों। ऐसे में हमने अपने देश की रक्षा की तैयारी कभी नहीं रोकी है।

रिपोर्ट के मुताबिक ईरानी नेता ने कहा कि हम शांति के पक्ष में हैं, लेकिन अमेरिका की ओर से गड़बड़ होगी तो फिर हम उसी तरह जवाब देंगे, जैसे अब तक देते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस पल अमेरिकी किसी भी समझौते से मुकरेंगे, हम पूरी तरह से बचाव के लिए तैयार रहेंगे। हम उनके खिलाफ मजबूती से खड़े होंगे और ईरानी राष्ट्र के अधिकारों की मांग करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हाल ही में कहा है कि वॉशिंगटन ने तेहरान के अनुरोध पर बातचीत जारी रखने पर सहमति जताई है, लेकिन अमेरिका दोनों पक्षों के बीच हुए संघर्ष-विराम को खत्म मानता है।

सैटेलाइट तस्वीरों में हुआ बड़ा खुलासा, ईरान फिर बना रहा न्यूक्लियर साइट!, अमेरिका दिखा रहा तेवर

नई दिल्ली(ए.)। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच नई सैटेलाइट तस्वीरों ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। CNN की एक जांच रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान ने अमेरिका के साथ हुए युद्धविराम और परमाणु प्रतिबद्धताओं से जुड़े समझौते के कुछ ही दिनों बाद अपने कुछ संवेदनशील परमाणु और मिसाइल ठिकानों पर गतिविधियां फिर से शुरू कर दीं। रिपोर्ट के अनुसार, इंस्टीट्यूट फॉर साइंस एंड इंटरनेशनल सिक्योरिटी (ISIS) के साथ मिलकर किए गए सैटेलाइट विश्लेषण में संकेत मिले हैं कि ईरान अपने कुछ संदिग्ध परमाणु ठिकानों के पुनर्निर्माण में जुटा है। यह दावा ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहले ही युद्धविराम समझौते को समाप्त मान चुके हैं और हाल के दिनों में ईरान पर सैन्य कार्रवाई के आदेश दे चुके हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, तेहरान के पास स्थित पारचिन सैन्य परिसर, जिसे लंबे समय से परमाणु हथियारों से जुड़े अनुसंधान का संभावित केंद्र माना जाता रहा है, वहां दोबारा निर्माण गतिविधियां देखी गई हैं। सैटेलाइट तस्वीरों में बमबारी से बने गड्ढों को पहले अस्थायी ढांचों से ढका गया और बाद में वहां लोहे की संरचनाएं लगाई गईं, जिससे मरम्मत कार्य जारी होने के संकेत मिलते हैं।

नो मोर इंडियंस के नारे लगाने वाला युवक गिरफ्तार

– मेलबर्न में पीएम मोदी के दौरे के दौरान हंगामा

मेलबर्न(ए)। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे के दौरान उस होटल के बाहर एक युवक ने हंगामा करने की कोशिश की, जहां पीएम मोदी ठहरे हुए थे। हालांकि, त्वरित कार्रवाई करते हुए ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने उस शख्स को तुरंत हिरासत में ले लिया। इस घटना के बावजूद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेलबर्न में निर्धारित सभी कार्यक्रम बिना किसी रुकावट के सफलतापूर्वक पूरे हुए, जिससे यह सुनिश्चित हो सका कि उनका आधिकारिक दौरा अप्रभावित रहा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी मेलबर्न के जिस होटल में रुके हुए थे, उसके बाहर देर रात करीब 12:30 बजे एक 22 वर्षीय युवक अचानक हंगामा करने लगा। वह जोर-जोर से नो मोर इंडियंस जैसे आप्रवासन विरोधी नारे लगा रहा था। युवक का कहना था कि यह ऑस्ट्रेलिया है और हमें अब और भारतीय प्रवासी नहीं चाहिए, क्योंकि यह देश सिर्फ ऑस्ट्रेलियाई लोगों के लिए है। उसकी इन टिप्पणियों ने वहां मौजूद लोगों का ध्यान आकर्षित किया। बाद में, युवक की पहचान ह्यूगो लेनन के तौर पर हुई है, जो सोशल मीडिया पर ऑस्पिल नाम से सक्रिय है।

फीचर

चॉकलेट के आदी बच्चों को खिलाएं उसके ये 5 सेहतमंद विकल्प, उन्हें स्वाद भी आएगा पसंद

बच्चों को चॉकलेट खाना बहुत पसंद होता है, लेकिन इसमें मौजूद चीनी और चर्बी के कारण उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। ऐसे में माता-पिता हमेशा इस बात को लेकर चिंतित रहते हैं कि बच्चों को सेहतमंद मिठाइयां कैसे खिलाएं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे सेहतमंद विकल्प बताते हैं, जो चॉकलेट की तरह स्वादिष्ट हैं और बच्चों को बहुत पसंद आएंगे। चॉकलेट के ये विकल्प सेहत के लिए भी अच्छे हैं।

डार्क चॉकलेट

डार्क चॉकलेट बच्चों के लिए एक बढ़िया विकल्प है। इसमें कम चीनी होती है और यह सेहत के लिए फायदेमंद तत्वों से भरी होती है। आप डार्क चॉकलेट को पिघलाकर मिल्कशेक या स्मूदी में मिला सकते हैं या इसे फल के साथ परोस सकते हैं। यह बच्चों को मिठास देने के साथ-साथ उनकी सेहत का भी ख्याल रखती है। डार्क चॉकलेट का स्वाद भी बहुत अच्छा होता है, जिसे बच्चे इसे खुशी-खुशी खा लेंगे।

कैरब पाउडर

कैरब पाउडर कैरब फल से बनता है और इसमें प्राकृतिक मिठास होती है। यह कोको पाउडर का सेहतमंद विकल्प है। आप इसे दूध, स्मूदी या दही में मिला सकते हैं या फिर इससे ब्राउनी और कुकीज बना सकते हैं। कैरब पाउडर में कैफीन नहीं होती, जिससे यह बच्चों के लिए सुरक्षित है। यह उनके लिए एक पौष्टिक विकल्प बन सकता है और उनकी सेहत का भी ख्याल रखता है। इसके अलावा यह स्वाद में भी बेहतरीन है।

मेपल सिरप

मेपल सिरप एक प्राकृतिक मीठा पदार्थ होता है, जिसे आप बच्चों के किसी भी व्यंजन में इस्तेमाल कर सकते हैं। यह रिफाइंड चीनी का अच्छा विकल्प है और इसमें कई जरूरी तत्व होते हैं। आप इसे पैनकेक, वैफल्स या ओट्स पर डाल सकते हैं या फिर इसे स्मूदी में मिला सकते हैं। मेपल सिरप का स्वाद भी बहुत अच्छा होता है, जिससे बच्चे इसे खुशी-खुशी खा लेंगे। यह उनकी सेहत के लिए भी फायदेमंद है।

गुड़

गुड़ एक पारंपरिक मीठा पदार्थ है, जो आयरन और जरूरी तत्वों से भरा होता है। आप गुड़ को बारीक काटकर या कद्दूकस करके अपने बच्चों की रेसिपी में शामिल कर सकते हैं। गुड़ का सेवन पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदद करता है और खून साफ करता है। गुड़ का स्वाद भी बहुत अच्छा होता है, जिससे बच्चे इसे खुशी-खुशी खा लेंगे। यह उनके लिए एक पौष्टिक विकल्प बन सकता है और उनकी सेहत का भी ख्याल रखता है।

फलों का सिरप

फलों का सिरप प्राकृतिक फलों से बनता है और इसमें कोई अप्राकृतिक स्वाद या रंग नहीं होता। आप इसे दही, आइसक्रीम या स्मूदी पर डाल सकते हैं या फिर इसे पानी में मिलाकर पी सकते हैं। फलों का सिरप बच्चों को ताजगी देता है और उनकी प्यास बुझाता है। इन सभी विकल्पों से न केवल बच्चों की मिठास की जरूरत पूरी होगी, बल्कि उनकी सेहत भी हमेशा बेहतर बनी रहेगी।

कई प्रोजेक्ट्स ठुकराने पर बोलीं अनुपमा की अद्रिजा रॉय, मैं इंतजार करना पसंद करूंगी, लेकिन बिना जुड़ाव के किरदार नहीं

अनुपमा में राही कपाड़िया के किरदार से अभिनेत्री अद्रिजा रॉय ने घर-घर में पहचान बनाई है। अद्रिजा ने कहा कि वह वहीं किरदार निभाना पसंद करती है, जिससे उन्हें दिल से जुड़ाव महसूस होता है। वहीं उन्होंने आगे कहा कि अब महिलाओं के लिए लिखे जाने वाले किरदारों में काफी सुधार आया है और दर्शक भी महिला केंद्रित कहानियों को खुले दिल से स्वीकार कर रहे हैं। अद्रिजा रॉय ने कहा, मुझे लगता है कि चीजें पहले से काफी बेहतर हुई हैं। अब महिलाओं को ज्यादा अहमियत रखने वाले किरदार मिल रहे हैं। हालांकि अभी भी सुधार की गुंजाइश है, लेकिन अच्छी बात यह है कि दर्शक अब महिलाओं के नेतृत्व वाली कहानियों को स्वीकार कर रहे हैं। यह इंडस्ट्री के लिए एक सकारात्मक संकेत है। उन्होंने कहा कि ऐसा होना स्वाभाविक है, क्योंकि जब कोई किरदार लोकप्रिय हो जाता है तो लोग उसी तरह के रोल में कलाकार को देखने लगते हैं।

उन्होंने कहा, जब कोई भूमिका लोकप्रिय हो जाती है तो लोग आपको उसी अंदाज में देखने लगते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि आपने उस किरदार को अच्छी तरह निभाया है। मैं इसके लिए किसी को दोष नहीं देती। लेकिन एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा खुद को और दर्शकों को सरप्राइज करना चाहती हूं। मैं एक ही तरह के किरदार बार-बार नहीं करना चाहती। मेरे लिए हर नया रोल कुछ नया सीखने का मौका होना चाहिए।अद्रिजा ने अपने करियर के फैसलों को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, हर अभिनेता चाहता है कि उसके पास चुनने के लिए बहुत सारे विकल्प हों, लेकिन यह इंडस्ट्री हमेशा इस तरह काम नहीं करती। कई बार कोई अच्छा प्रोडक्शन हाउस आपको ऐसा किरदार देता है, जो शायद आपकी पहली पसंद न हो। ऐसे में पूरी तस्वीर देखनी चाहिए। कहानी क्या है, टीम कैसी है और किरदार शो में क्या योगदान दे रहा है, इन सभी चीजों को समझना जरूरी होता है। हर स्थिति में कोई एक सही या गलत जवाब नहीं होता। हर कलाकार को अपने हिसाब से फैसला लेना पड़ता है। बातचीत के दौरान अद्रिजा ने खुलासा किया कि उन्होंने अपने करियर में कुछ ऐसे प्रोजेक्ट्स को मना किया है, जिनसे वह खुद को जोड़ नहीं पाईं।उन्होंने कहा, हां, मैंने कुछ प्रोजेक्ट्स के लिए मना किया है। ऐसा इसलिए नहीं था कि वे खराब थे, बल्कि इसलिए क्योंकि मैं उन किरदारों से जुड़ाव महसूस नहीं कर पाई। अगर मैं किसी भूमिका पर विश्वास नहीं करती हूं, तो मेरे लिए उसके साथ न्याय करना मुश्किल हो जाता है। मैं इंतजार करना पसंद करूंगी, लेकिन ऐसा काम करना चाहती हूं जो मुझे अंदर से उत्साहित करे।

सिल्क साड़ी में जाह्नवी कपूर ने बिखेरा जलवा, ट्रेडिशनल आउटफिट में लगाया बोल्डनेस का तड़का

बॉलीवुड की यंग और खूबसूरत एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर अपने बेहतरीन फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

इन लेटेस्ट तस्वीरों में जाह्नवी का एक अलग ही अंदाज देखने को मिल रहा है, जहां उन्होंने भारतीय परंपरा को बोल्डनेस के साथ पेश किया है। तस्वीरों में जाह्नवी कपूर ने एक बेहद खूबसूरत लैवेंडर और गोल्डन शेड वाली सिल्क साड़ी पहनी हुई है। साड़ी का बॉर्डर काफी हैवी है, जो इसे बेहद रॉयल लुक दे रहा है।

साड़ी के साथ जाह्नवी ने मैचिंग स्ट्रैपलेस स्टाइल ब्लाउज कैरी किया है, जो उनके इस एथनिक लुक में मॉडर्न और ग्लैमरस टच जोड़ रहा है। तस्वीरों में जाह्नवी एक से बढ़कर एक सेक्सी और अट्रैक्टिव पोज देते नजर आ रही हैं। वह अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं। उनके इन बोल्ड पोज ने ट्रेडिशनल लुक में भी हॉटनेस का तड़का लगा दिया है।

जाह्नवी ने न्यूड-ग्लॉसी लिपस्टिक, सटल मेकअप, विंग्ड आईलाइनर और माथे पर एक छोटी सी बिंदी के साथ अपने चेहरे की खूबसूरती को निखारा है।

इस रॉयल लुक को पूरा करने के लिए जाह्नवी ने अपने बालों का एक नीट और क्लीन स्लीक जूड़ा बनाया हुआ है, जिसे पारंपरिक हेयर एक्सेसरीज से सजाया गया है।

ज्वेलरी की बात करें तो उन्होंने गले में एक बेहद हैवी कुंदन और पर्ल का चोकर नेकलेस, मैचिंग झुमके, हाथों में ढेर सारी खूबसूरत चूड़ियां, बाजूबंद और अंगूठियां पहनी हुई हैं, जो उनके लुक में चार चांद लगा रहे हैं।

मानसून के दौरान हरी पत्तेदार सब्जियों को धोते समय इन बातों का रखें ध्यान

मानसून के दौरान हरी पत्तेदार सब्जियां कीटों और बैक्टीरिया से अधिक प्रभावित होती हैं। इसलिए इन्हें इस्तेमाल से पहले अच्छी तरह से धोना बहुत जरूरी है। हालांकि, कई लोग इन सब्जियों को सामान्य पानी से ही धो देते हैं, जो कि सही तरीका नहीं है। आइए आज हम आपको हरी पत्तेदार सब्जियों को धोने के कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें आजमाकर आप कीटों और बैक्टीरिया से छुटकारा पा सकते हैं।

नमक के पानी का करें इस्तेमाल

हरी पत्तेदार सब्जियों को धोने के लिए नमक का पानी सबसे अच्छा तरीका है। इसके लिए एक बाल्टी पानी लें और उसमें एक बड़ी चम्मच नमक मिलाएं। अब इस मिश्रण में हरी पत्तेदार सब्जियों को 10-15 मिनट के लिए भिगोकर छोड़ दें। इससे कीट और गंदगी आसानी से निकल जाएगी और सब्जियां ताजगी से भरी रहेंगी। नमक का पानी बैक्टीरिया को भी खत्म करता है, जिससे सब्जियां सुरक्षित रहती हैं।

सिरका भी है असरदार

सिरका एक बढ़िया उपाय है, जो हरी पत्तेदार सब्जियों को धोने में मदद कर सकता है। इसके लिए एक बाल्टी पानी में दो बड़े चम्मच सिरका मिलाएं और इसमें हरी पत्तेदार सब्जियों को 5-10 मिनट तक भिगोकर छोड़ दें। इससे न केवल कीट और गंदगी निकल जाएगी, बल्कि बैक्टीरिया भी मर जाएंगे। इसके बाद सब्जियों को साफ पानी से धो लें। यह तरीका सब्जियों को ताजगी से भरा रखता है और उन्हें सुरक्षित भी बनाता है।

नींबू का रस आएगा काम

नींबू का रस भी हरी पत्तेदार सब्जियों को धोने के लिए अच्छा तरीका हो सकता है। इसके लिए एक बाल्टी पानी में एक नींबू का रस निचोड़ें और इसमें हरी पत्तेदार सब्जियों को 5-10 मिनट तक भिगोकर छोड़ दें। इससे न केवल कीट और गंदगी निकल जाएगी, बल्कि बैक्टीरिया भी मर जाएंगे। इसके बाद सब्जियों को साफ पानी से धो लें।

बेकिंग सोडा का करें उपयोग

बेकिंग सोडा एक ऐसा पदार्थ है, जो हरी पत्तेदार सब्जियों को धोने में मदद कर सकता है। इसके लिए एक बाल्टी पानी में एक चम्मच बेकिंग सोडा मिलाएं और इसमें हरी पत्तेदार सब्जियों को 5-10 मिनट तक भिगोकर छोड़ दें। इससे न केवल कीट और गंदगी निकल जाएगी, बल्कि बैक्टीरिया भी मर जाएंगे। इसके बाद सब्जियों को साफ पानी से धो लें।

गर्म पानी का उपयोग भी है अच्छा उपाय

गर्म पानी का उपयोग करके भी आप हरी पत्तेदार सब्जियों को अच्छे से धो सकते हैं। इसके लिए एक बर्तन में गर्म पानी भरें और उसमें एक चम्मच नमक मिलाएं। अब हरी पत्तेदार सब्जियों को इस पानी में डालकर 5-10 मिनट तक छोड़ दें। इससे कीट और गंदगी निकल जाएगी, बैक्टीरिया भी मर जाएंगे। इसके बाद सब्जियों को ठंडे पानी से धो लें।

बारिश में जलभराव से राहत के लिए निगम की बड़ी कार्रवाई, अवन्ति बाई चौक की नाली से हटाए अतिक्रमण।

कमलेश्वर पटेल बोले- राम मंदिर चंदा चोरी, आस्था के नाम पर राजनीति, चढ़ावे के नाम पर लूट

यह श्रद्धालुओं की आस्था, विश्वास और भावनाओं के साथ विश्वासघात

रायपुर, (आरएनएस)। कांग्रेस कार्यसमिति एआईसीसी सदस्य कमलेश्वर पटेल ने कहा, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम करोड़ों भारतीयों की आस्था, संस्कृति और नैतिक चेतना के प्रतीक हैं। देश के कोने-कोने से गरीब, किसान, मजदूर, महिलाएं और श्रद्धालु अपनी मेहनत की कमाई, अपने गहने, अपनी बचत और अपनी श्रद्धा लेकर राम मंदिर निर्माण के लिए आगे आए। भाजपा, आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद और संघ परिवार के संगठनों ने लगभग तीन दशकों तक भगवान राम के नाम पर राजनीति की, देश के गरीब व मध्यम वर्ग से राम के नाम पर चंदा एकत्र किया और इसी आंदोलन के आधार पर सत्ता प्राप्त की।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन रायपुर में एक पत्रकार वार्ता में कहा, आज वही करोड़ों रामभक्त यह पूछने को मजबूर हैं कि भगवान राम के नाम पर जुटाया गया चंदा और चढ़ावा आखिर किसके संरक्षण में लूटा गया? यह केवल आर्थिक घोटाला नहीं है। यह करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था, विश्वास और भावनाओं के साथ किया गया घोर विश्वासघात है। जब ट्रस्ट का गठन प्रधानमंत्री की देखरेख में हुआ, तो इस घोटाले की जवाबदेही कौन लेगा? अगर सब कुछ ठीक था, तो चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे क्यों हुए? अगर कुछ गलत नहीं हुआ, तो सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में स्वतंत्र जांच से डर किस बात का है?श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के तत्कालीन महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार किए जा चुके हैं। यह स्वयं इस बात का संकेत है कि मामला सामान्य प्रशासनिक त्रुटि का नहीं, बल्कि एक बड़े घोटाले का है। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी ने स्वयं सार्वजनिक रूप से बयान दिए हैं, जबकि ट्रस्ट की वित्तीय निगरानी, पारदर्शिता और संपत्तियों की सुरक्षा की सर्वोच्च जिम्मेदारी उन्हीं की थी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ट्रस्ट के विशिष्ट आमंत्रित सदस्य गोपाल राव (गोपाल नगरकोटे) को हटाए जाने और उनकी स्थिति को लेकर भी गंभीर भ्रम और विरोधाभास सामने आए हैं। आरएसएस के पूर्वी उत्तर प्रदेश प्रभारी कृष्णमोहन को ट्रस्ट का नया महासचिव बनाया गया है, जबकि उन पर पूरे प्रकरण को दबाने और लीपापोती करने के आरोप सार्वजनिक रूप से लगाए जा चुके हैं।

13 वर्षीय छात्रा ने घर में लगाई फांसी, पुलिस जांच में जुटी

कोरबा-पाली (आरएनएस)। पाली थाना क्षेत्र के ग्राम डूमरकछार में 13 वर्षीय एक छात्रा ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान भावना देवार, पिता अजय देवार, के रूप में हुई है। वह कक्षा सातवीं की छात्रा थी।

जानकारी के अनुसार, छात्रा मंगलवार रात पड़ोस में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद अपनी छोटी बहन के साथ घर लौटी थी। देर रात उसने घर के भीतर फांसी लगा ली। घटना के समय उसके माता-पिता किसी काम से सक्ती गए हुए थे।

घटना की सूचना मिलने पर पाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। पुलिस आसपास के लोगों और शादी समारोह में शामिल लोगों से पूछताछ कर रही है। फिलहाल छात्रा द्वारा यह कदम उठाने के कारणों का पता नहीं चल पाया है और मामले की जांच जारी है।

ढ़ेंगुरनाला में डूबकर मासूम बच्ची की मौत

कोरबा (आरएनएस)। सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 37 रामपुर बस्ती में पानी में डूबने से ढाई वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। बच्ची का शव ढ़ेंगुरनाला में मिलने से क्षेत्र में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार मृतिका के पिता का नाम दिनेश बरेठ है। बताया जा रहा है कि दिनेश और उसकी पत्नी लालघाट गए थे। साथ में उनकी ढाई वर्षीय बेटी भी थी। वापस आते समय नाला पार करते समय बच्ची तेज बहाव में बह गई। उन्होंने बच्ची की काफी खोजबीन की, लेकिन पता नहीं चला। देर शाम स्थानीय लोगों ने ढ़ेंगुरनाला में बच्ची का शव देखा और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में डूबने से मौत होना बताया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मासूम की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

संवेदनशील पुलिस, सुरक्षित नागरिकः डॉयल-112 की त्वरित कार्रवाई से सर्पदंश पीड़ित महिला को मिला जीवनदान

रायपुर,(आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार आम नागरिकों को त्वरित, संवेदनशील और प्रभावी आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में डॉयल-112 की सतर्क एवं त्वरित कार्रवाई ने एक बार फिर मानव जीवन की रक्षा के प्रति पुलिस की प्रतिबद्धता को प्रमाणित किया है। डॉयल-112 टीम ने सर्पदंश की शिकार एक महिला को बिना समय गंवाए अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जानकारी के अनुसार, रात्रि लगभग एक बजे डॉयल-112 गौरेला फाल्कन-1 को ग्राम जमुनिया टोला, धनौली से एक महिला के सर्पदंश की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही डॉयल-112 में तैनात आरक्षक रामदयाल आयाम एवं चालक गोपाल पुरी तत्काल आपातकालीन वाहन लेकर घटनास्थल के लिए रवाना हुए। टीम ने मौके पर पहुंचकर पाया कि ग्राम जमुनिया टोला, धनौली निवासी 55 वर्षीय मती सोनकुंवर पनिका को रात्रि में जमीन पर सोने के दौरान जहरीले सर्प ने काट लिया था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डॉयल-112 टीम ने बिना किसी विलंब के पीड़िता को परिजनों के साथ ईआरवी वाहन से जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने तत्काल उपचार प्रारंभ किया। समय पर चिकित्सा सुविधा मिलने से महिला की जान बच गई और वर्तमान में उनकी स्थिति सामान्य है।

यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि राज्य सरकार द्वारा स्थापित आपातकालीन सहायता प्रणाली केवल कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि संकट की प्रत्येक घड़ी में नागरिकों की सुरक्षा और जीवन रक्षा के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रही है।

छत्तीसगढ़ में मानसून पर लगा तीन दिन का ब्रेक आज होगा खत्म

उत्तर व दक्षिण के जिलों के लिए जारी हुआ अलर्ट

रायपुर,(आरएनएस)। प्रदेश में मानसून की रफ्तार फिलहाल धीमी पड़ गई है। लगातार बारिश के बाद बारिश ने तीन दिन का ब्रेक ले लिया है, जिससे राजधानी समेत कई जिलों में उमस बढ़ गई है। मौसम विभाग ने आज से फिर बारिश के आसार जताए हैं।सुकमा, बीजापुर, दक्षिण बस्तर दंतेवाडा, बस्तर, नारायणपुर, कोंडागांव, उत्तर बस्तर कांकेर, धमतरी, गररयाबंद, कोरबा, जशपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया, बलरामपुर में आगामी कुछ घंटों में मेघगर्जन, आकाशीय बिजली, अचानक तेज हवा व बारिश का अलर्ट जारी किया है।

रायपुर में बादल रहे, बारिश नहीं

राजधानी में शुक्रवार को सुबह से बादलों की आवाजाही बनी रही, लेकिन वर्षा दर्ज नहीं की गई। अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम 25.9 डिग्री सेल्सियस रहा। सुबह 78 और शाम को 56 प्रतिशत आर्द्रता दर्ज की गई। पांच किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली। मौसम विभाग का अनुमान है कि शनिवार को आसमान सामान्यत: मेघमय रहेगा और गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है।

इन जिलों में हुई सबसे ज्यादा बारिश

प्रदेश में रघुनाथनगर, कुसमी और बड़ेबचेली में सर्वाधिक 50 मिमी वर्षा दर्ज की गई। सरोना में 40 मिलीमीटर तथा कोरबा, बैकुंठपुर, लैलूंगा, शंकरगढ़, मुंगेली और प्रेमनगर सहित कई क्षेत्रों में 30 मिमी बारिश हुई। बिलासपुर में 190 मिमी, पेण्ड्रारोड में 80 मिमी, अंबिकापुर में 130 मिमी और जगदलपुर में 130 मिमी वर्षा दर्ज की गई।

आज से फिर सक्रिय होगा मानसून

मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटे में प्रदेश के कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। एक-दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ वज्रपात हो सकता है। दो दिन बाद फिर मानसून के सक्रिय होने के संकेत हैं। रायपुर में 11 जुलाई को अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम 27 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। मौसम वैज्ञानिकों ने खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों और पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचने की सलाह दी है।

अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर युवती से दुष्कर्म का आरोप, मकान मालिक फरार

बिलासपुर, (आरएनएस)। शहर में एक युवती से दुष्कर्म का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि मकान मालिक ने युवती का अश्लील वीडियो बनाकर उसे वायरल करने की धमकी दी और इसी डर का फायदा उठाकर कई बार दुष्कर्म किया। पीड़िता की शिकायत पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने शिकायत में बताया कि आरोपी मकान मालिक ने उसका अश्लील वीडियो अपने कब्जे में रख लिया था। इसके बाद वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर वह लगातार दबाव बनाता रहा और कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया। मानसिक रूप से परेशान युवती ने आखिरकार हिम्मत जुटाकर सिविल लाइन थाने पहुंचकर पूरी घटना की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं में अपराध दर्ज कर लिया है। घटना के बाद से आरोपी फरार है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

खेल समाचार

एशियन गेम्स से पहले अनिमेष कुजूर का धमाका, 100 मीटर दौड़ में बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

वेट्जलर (ए.)। भारत के युवा धावक अनिमेष कुजूर ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए 100 मीटर दौड़ में नया मुकाम हासिल किया है। ओडिशा के इस धावक ने शनिवार को प्यूमा फास्ट आर्म्स फास्ट लेग्स 2026 मीट में पुरुषों की 100 मीटर फाइनल रेस में 10.14 सेकंड का अपना सर्वश्रेष्ठ समय निकाला।अनिमेष विदेशी धरती पर 100 मीटर की रेस को सबसे तेज पूरा करने वाले भारतीय एथलीट बने हैं। इसके साथ ही वह भारत की तरफ से गुरिंदरवीर सिंह के बाद 100 मीटर की रेस को सबसे तेज पूरा करने वाले खिलाड़ी बने हैं। गुरिंदरवीर 100 मीटर की रेस को 10.09 सेकंड में पूरा कर चुके हैं और उनके नाम नेशनल रिकॉर्ड दर्ज है।अनिमेष ने प्रतियोगिता की शुरुआत भी शानदार तरीके से की थी। उन्होंने दिन में हुई 100 मीटर हीट रेस को 10.19 सेकंड के समय के साथ जीतकर फाइनल में जगह बनाई। इसके बाद फाइनल में उन्होंने अपने प्रदर्शन को और बेहतर किया और अपना पिछला व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 10.15 सेकंड का रिकॉर्ड तोड़ते हुए रेस को 10.14 सेकंड में पूरा किया। पुरुषों की 200 मीटर दौड़ के नेशनल रिकॉर्ड धावक अनिमेष अब भारत के सबसे तेज धावकों में शामिल हो गए हैं। भारत की ओर से 100 मीटर की रेस को सबसे कम समय में पूरा करने वाली लिस्ट में अनिमेष के तीन प्रदर्शन शामिल हैं। गुरिंदरवीर सिंह के 10.09 सेकंड के रिकॉर्ड के बाद अनिमेष का 10.14 सेकंड, 10.15 सेकंड और 10.18 सेकंड का समय शामिल है।अनिमेष की 100 मीटर में सफलता उनके लगातार सुधार का नतीजा है। जून में इंटर-स्टेट नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने एशियन गेम्स के लिए 200 मीटर स्पर्धा में क्वालीफाई किया था। उन्होंने उस रेस को 20.74 सेकंड में पूरा किया था, जो एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के 20.88 सेकंड के क्वालीफाइंग मानक से बेहतर था।क्वालिफाइंग मार्क आसानी से हासिल करने के बावजूद अनिमेष ने माना कि वह टाइमिंग से खुश नहीं थे। उन्होंने कहा कि क्वालिफिकेशन ही उनका एकमात्र लक्ष्य था। रेस के बाद उन्होंने कहा, सच कहूं तो, मैं यहां टाइमिंग के लिए नहीं था। मेरा लक्ष्य आइडिया एशियन गेम्स के लिए क्वालिफिकेशन मार्क हासिल करना था। अब जब मैंने इसे हासिल कर लिया है, तो मैं एशियन गेम्स से पहले बेहतर करने पर फोकस करूंगा। 200 मीटर में अनिमेष का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 20.32 सेकंड है, जो भारतीय राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। हाल के समय में उन्होंने 100 मीटर में भी लगातार शानदार प्रदर्शन किया है।

उन्होंने दो बार इस स्पर्धा में भारतीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। हालांकि बाद में गुरिंदरवीर सिंह ने 10.09 सेकंड के समय के साथ नया नेशनल रिकॉर्ड अपने नाम किया था। अनिमेष के कोच मार्टिन ओवेन्स ने बताया कि व्यस्त यात्रा कार्यक्रम के बाद टीम का मुख्य लक्ष्य क्वालीफिकेशन हासिल करना था, न कि केवल तेज समय निकालने का दबाव लेना। हालांकि अनिमेष का पसंदीदा इवेंट 200 मीटर है, लेकिन पिछले कुछ समय में 100 मीटर में उनका प्रदर्शन तेजी से बेहतर हुआ है। उनकी 10.14 सेकंड की दौड़ यह दिखाती है कि वह एशियन गेम्स से पहले भारत की सबसे बड़ी स्प्रिंट उम्मीदों में से एक बन चुके हैं।

लॉर्ड्स टेस्टः स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत कौर ने जड़े अर्धशतक, जानिए उनके आंकड़े

नईदिल्ली, (ए.)। लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर चल रहे ऐतिहासिक एकमात्र टेस्ट में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर (58) और उपकप्तान स्मृति मंधाना (83) ने शानदार अर्धशतकीय पारियां खेली। इंग्लैंड के खिलाफ इस मुकाबले में टीम को शुरुआती झटके लगे थे। इन दोनों अनुभवी खिलाड़ियों ने टीम की पारी संभाली। मंधाना के टेस्ट करियर का यह चौथा और हरमनप्रीत के करियर का दूसरा पचासा रहा। ऐसे में आइए दोनो खिलाड़ियों की पारी और आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं।

मंधाना ने 108 गेंदों का सामना किया और 83 रन बनाकर इसी वोंग की गेंद पर आउट हुईं। उनके बल्ले से 11 चौके और एक छक्का निकला। उनकी स्ट्राइक रेट 76.85 की रही। वहीं, हरमनप्रीत ने 121 गेंदों का सामना किया और 58 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। उन्हें मैडी विलियर्स ने आउट किया। इन दोनों खिलाड़ियों के बीच 155 गेंदों में 89 रन की साझेदारी हुई। मंधाना ने जेमिमा रोड्रिगेज के साथ मिलकर 72 गेंदों में 64 रन जोड़े।

मंधाना ने अपना पहला टेस्ट साल 2014 में खेला था। अब तक उन्होंने 9 टेस्ट खेले हैं और इसकी 15 पारियों में 51.28 की औसत के साथ 718 रन बनाने में सफल रहीं हैं। उनके बल्ले से 4 अर्धशतक के अलावा 2 शतक भी निकले हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 149 रन रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ इस खिलाड़ी ने 4 मैचों की 7 पारियों में 40.71 की औसत से 285 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से 3 अर्धशतक निकले हैं।

हरमनप्रीत टेस्ट करियर में एक भी शतक नहीं लगा पाई हैं। उन्होंने अपना पहला मुकाबला 2014 में खेला था। इस खिलाड़ी ने 8 मैच खेले हैं और इसकी 12 पारियों में 26.18 की औसत से 288 रन बनाने में सफल रहीं हैं। उनके बल्ले से 2 अर्धशतक निकले हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 69 रन है। इंग्लैंड के खिलाफ 4 टेस्ट की 7 पारियों में उन्होंने 28.66 की औसत से 172 रन बनाए हैं। 58 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर है।

यह लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाने वाला पहला महिला टेस्ट मैच है। पुरुषों के पहले टेस्ट के 142 साल बाद इस मैदान पर महिला क्रिकेट को जगह मिली है। इंग्लैंड ने 1937 से अब तक 19 मैदानों पर 55 टेस्ट खेले थे और लॉर्ड्स उनका 20वां टेस्ट स्थल है। इंग्लैंड ने आखिरी घरेलू टेस्ट 2023 में खेला था। भारत 2024 के बाद पहला टेस्ट खेल रही है।

हरमनप्रीत कौर 9,000 अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाली तीसरी भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं, जानिए आंकड़े

नईदिल्ली, । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में 9,000 रन बनाने वाली तीसरी भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। यह उपलब्धि उन्होंने शुक्रवार को लॉर्ड्स में इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ जारी एकमात्र टेस्ट मैच के दौरान हासिल की। उन्हें इस मुकाम तक पहुंचने के लिए सिर्फ 13 रनों की जरूरत थी और उन्होंने भारत की पारी के 24वें ओवर की 5वीं गेंद पर यह उपलब्धि हासिल कर ली। उन्होंने कुल 58 रन बनाए।

हरमनप्रीत के अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत 7 मार्च, 2009 को बोवरल में पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ वनडे मैच से की थी। वह मिताली राज (10,868) और स्मृति मंधाना (10,600 से अधिक) के बाद महिला क्रिकेट में 9,000 रन बनाने वाली तीसरी भारतीय क्रिकेटर हैं। शुक्रवार को 121 गेंदों पर खेली गई 58 रनों की पारी में उन्होंने सात चौके लगाए और मंधाना (83) के साथ चौथे विकेट के लिए 155 गेंदों पर 89 रनों की साझेदारी निभाई।

हरमनप्रीत महिला क्रिकेट में सर्वाधिक मैच खेलने वाली खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 164 वनडे मैचों में 37.22 की औसत से 4,541 रन और 202 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 30.33 की औसत से 4,216 रन बनाए हैं।

‘कुछ रैलियां कभी खत्म नहीं होतीं’, फेडरर से मुलाकात के बाद सचिन का भावुक पोस्ट

लंदन (ए.)। भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने विंबलडन के दौरान टेनिस दिग्गज रोजर फेडरर से मुलाकात के बाद उनके लिए एक भावुक संदेश साझा किया। सचिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर अपनी और फेडरर की दोस्ती को खास बताते हुए लिखा कि कुछ रिश्ते कभी खत्म नहीं होते।सचिन ने लिखा, कुछ रैलियां कभी खत्म नहीं होतीं। हमारी दोस्ती उनमें से एक है। रोजर, आपके साथ समय बिताना हमेशा अच्छा लगता है। जब तक हम फिर से नहीं मिलते। विंबलडन में सचिन का यह दौरा काफी यादगार रहा। वह शुक्रवार को खेले गए पुरुष एकल सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान प्रतिष्ठित रॉयल बॉक्स में मौजूद खास मेहमानों में शामिल थे। इस दौरान उन्होंने कई दिग्गज खिलाड़ियों और खेल जगत की मशहूर हस्तियों के साथ मैच का आनंद लिया।रॉयल बॉक्स में भारत के वनडे कप्तान शुभमन गिल भी मौजूद रहे। गिल के लिए यह पहला मौका था जब उन्होंने विंबलडन का मुकाबला रॉयल बॉक्स से देखा। इंग्लैंड दौरे के बीच समय निकालकर वह इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट का हिस्सा बने। इसके अलावा फुटबॉल स्टार और लिवरपूल के कप्तान वर्जिल वैन डाइक तथा लीड्स यूनाइटेड के चेयरमैन पराग मराठे भी वहां मौजूद रहे।सचिन की मुलाकात के दौरान पूर्व वेस्टइंडीज कप्तान ब्रायन लारा के साथ उनकी बातचीत ने भी क्रिकेट प्रशंसकों को पुराने दिनों की याद दिलाई। दोनों खिलाड़ी अपने दौर में मैदान पर बड़े प्रतिद्वंद्वी रहे, लेकिन क्रिकेट से संन्यास के बाद कई प्रदर्शनी और चैरिटी मैचों में एक साथ खेल चुके हैं; उनकी दोस्ती आज भी बरकरार है।

फीफा विश्व कप 2026ः स्पेन ने बेल्जियम को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह, ये बने रिकॉर्ड्स

नईदिल्ली,(ए.)। फीफा विश्व कप 2026 के दूसरे क्वार्टर फाइनल में स्पेन ने बेल्जियम को कांटे के मुकाबले में 2-1 से हरा दिया। इसी के साथ स्पेन ने सेमीफाइनल में अपनी जगह बना ली है। जहां उसका मुकाबला फ्रांस फुटबॉल टीम से होगा। लॉस एंजिल्स स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मैच शुरुआत से दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला दिखा, लेकिन आखिरी मिनटों के गोल ने बेल्जियम का सफर समाप्त कर दिया। आइए मैच में बने रिकॉर्ड्स पर नजर डालते हैं।

मैच के 30वें मिनट में स्पेन के फाबियन रूइज ने बेल्जियम के गोलकीपर थिबॉट कोर्टुआ द्वारा रोके जाने के बाद रीबाउंड पर शानदार गोल कर स्पेन को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद 41वें मिनट में बेल्जियम ने पलटवार किया। केविन डी ब्रुइन के बेहतरीन पास पर चार्ल्स डी केटेलेरे ने हेडर के जरिए गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके साथ स्पेन का टूर्नामेंट में पिछले 649 मिनटों का गोल न खाने का रिकॉर्ड टूट गया।

दूसरे हाफ के 71वें मिनट में बेल्जियम के गोलकीपर थिबॉट कोर्टुआ चोटिल होकर बाहर हो गए और उनकी जगह सेन लामेंस मैदान पर आए। उसके बाद स्पेन ने हमले तेज कर दिए।

इंग्लैंड मुकाबले से पहले नॉर्वे कोच सोलबैकेन का भरोसा, बोले- टीम को अपनी ताकत पर विश्वास रखना होगा

मियामी (ए.)। नॉर्वे के हेड कोच स्टेल सोलबैकेन ने कहा है कि उनकी टीम को फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ अपनी पहचान और खेलने के अंदाज को बनाए रखना होगा। उन्होंने कहा कि टीम को अपनी ताकत पर भरोसा रखना होगा और वैसा ही खेलना होगा जैसा वह अब तक टूर्नामेंट में खेलते आए हैं।मैच से पहले हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में सोलबैकेन ने कहा कि नॉर्वे टीम को दबाव में आकर अपनी रणनीति बदलने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, मैं नॉर्वे की ऐसी टीम देखना चाहता हूं जो अपनी ताकत के अनुसार खेले और वैसा ही प्रदर्शन करे, जैसा उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में किया है।

नॉर्वे मियामी स्टेडियम में पहली बार वर्ल्ड कप का क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेलने उतरेगा। वहीं, इंग्लैंड ने लगातार तीसरी बार क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। के कोच ने इंग्लैंड की मजबूत टीम की तारीफ की और उनके स्टार खिलाड़ी जूड बेलिंगहैम और हैरी केन का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड के पास कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो किसी भी समय मैच का रुख बदल सकते हैं। सोलबैकेन ने कहा, इंग्लैंड जैसी टीम के खिलाफ खेलना आसान नहीं होगा। उनके पास बेलिंगहैम और केन जैसे शानदार खिलाड़ी हैं, जो कई तरीकों से गोल कर सकते हैं। हमें मजबूत डिफेंस के साथ खेलना होगा, लेकिन सबसे जरूरी है कि हम गेंद पर अपना नियंत्रण बनाए रखें। मुकाबले में नॉर्वे के एरलिंग हालैंड और इंग्लैंड के हैरी केन के बीच होने वाले मुकाबले पर भी सभी की नजरें हैं। हालांकि, सोलबैकेन ने कहा कि यह सिर्फ दो खिलाड़ियों के बीच की लड़ाई नहीं है, बल्कि नॉर्वे और इंग्लैंड का मुकाबला है।

जन्मदिन बना पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

छात्रा पायल चौरे के जन्मदिवस पर लगाए पौधे, हर जन्मदिन पर पौधारोपण का लिया संकल्प

नर्मदापुरम (निप्र)। 11 जुलाई 2026 जन्मदिन केवल केक काटने और शुभकामनाएं लेने का अवसर नहीं, बल्कि समाज और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाने का माध्यम भी बन सकता है। इसी सोच को साकार करते हुए शासकीय हाई स्कूल साकेत नर्मदापुरम के मेकलसुता ईको क्लब ने कक्षा 10वीं की छात्रा पायल चौरे के जन्मदिवस को पर्यावरण संरक्षण के उत्सव के रूप में मनाया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया और हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया गया।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिवार ने एक महत्वपूर्ण संकल्प लेते हुए घोषणा की कि अब विद्यालय के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थी अपने.अपने जन्मदिवस पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएंगे और उसकी नियमित देखभाल भी करेंगे। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति व्यवहारिक सोच विकसित करना और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना है। कार्यक्रम विद्यालय की प्राचार्य सीमा राय के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। इस अवसर पर सुरेश कुमार पटेल रेखा बड़गोत्री चन्द्रमोहन गौर जितेंद्र शर्मा मंजू यादव ज्योति यादव संजय दमाड़े आभा चौरे एवं रामविलास कामले सहित विद्यालय के शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र.छात्राएँ उपस्थित रहे। प्राचार्य सीमा राय ने छात्रा पायल चौरे को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन के विशेष अवसरों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ लेए तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, सुरक्षित और हरित वातावरण मिल सकता है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने और पर्यावरण संरक्षण को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने पौधों के संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया। विद्यालय की इस अनूठी पहल की स्थानीय लोगों और अभिभावकों ने भी सराहना की तथा इसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रेरणादायक प्रयास बताया।

महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष मोनिका चौकसे को व्यापारी महासंघ ने शुभकामनाएं दी

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, संभाग प्रभारी कांतदेव सिंह, जिला प्रभारी अलकेश आर्य भाजपा जिला अध्यक्ष प्रीति शुक्ला की सहमति से भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष बनाएजाने पर श्रीमती मोनिका चौकसे को व्यापारी महासंघ के द्वारा बधाईई एवं शुभकामनाएं दी गई।

विश्व जनसंख्या दिवस पर ग्राम टोली में विधिक जागरुकता शिविर आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं श्रीमती प्रीति शर्मा, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नर्मदापुरम के मार्गदर्शन में विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर शनिवार को ग्राम पंचायत टोली में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

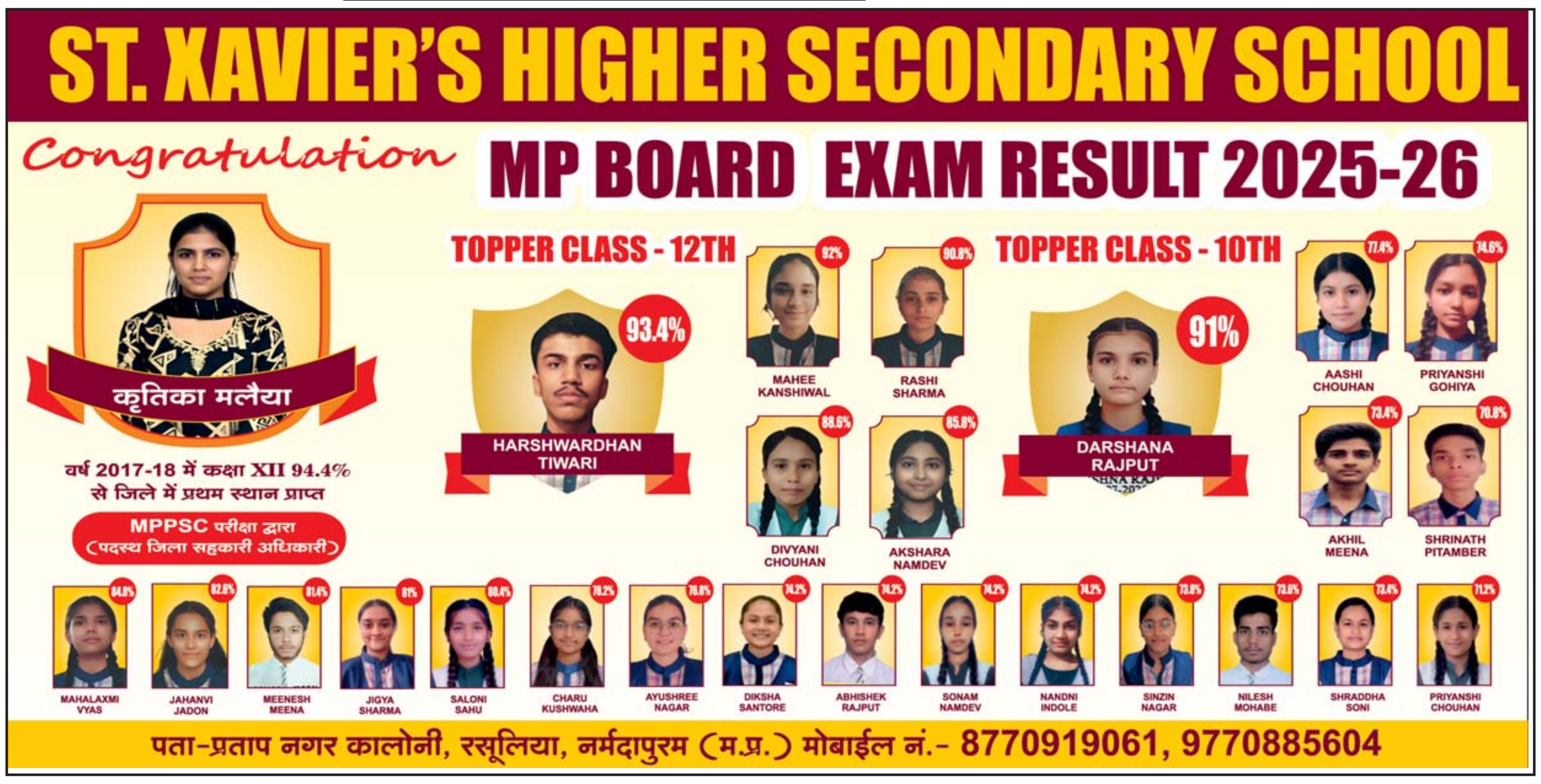

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com